सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 154 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 19 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दिव्यांग शिक्षक का बेरहमी से कत्लः धारदार हथियार से वार

जांजगीर चांपा। बुधवार की रात अज्ञात हमलावर ने एक दिव्यांग शिक्षक की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को जलने का प्रयास किया। मृतक की पहचान देवानंद भारद्वाज के रूप में हुई है, जो पिहरीद में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। घटना जैजैपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जर्वे गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही जैजैपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटनास्थल को घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हत्या संभवत: पैसों की लेनदेन के विवाद को लेकर की गई है, हालांकि मामले की स्पष्ट जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी। घटना के बाद आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम जुट गई है।

ईरान में नहीं फंसे हैं भारतीय जहाज, दावा झूठा

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध के दौरान भी भारत ने जिस तरह से होर्मुज स्ट्रेट से अपने कई जहाजों को सुरक्षित निकालने में कामयाबी हासिल की है, उसका लोहा दुनिया मान रही है। विश्व के कई देश भारत की कूटनीति की जमकर सराहना कर रहे हैं। लेकिन, कुछ ऐसे नकारात्मक तत्व भी हैं, जो भारत की सफलता को नकारने के लिए झूठी और आधारहीन बातें फैलाने में जुटे हैं। सोशल मीडिया पर इसी तरह के फर्जी और निराधार दावे वाली खबरें वायरल की जा रही हैं। इसमें दावा किया जा रहा है कि अब जो होर्मुज जलडमरूमध्य में भारत के 22 जहाज फंसे रह गए हैं, ईरान ने उन्हें वहां से निकलने की अनुमति देने से मना कर दिया है। लेकिन, भारतीय विदेश मंत्रालय ने फैक्ट चेक करके इस तरह के दावे को 'झूठा और बेबुनियाद' बताया है।

चीन जाते जाते भारत की ओर मुड़ गए रूसी तेल टैंकर

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान के बीच जंग और तेज हो चुकी है। नतीजतन कतर के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर रास लफ्फन और ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले हुए हैं। मिडिल ईस्ट में जल्द ही तेल और गैस के ठिकानों पर और ज्यादा हमले होने वाले हैं। ऐसे में भारत समेत एशिया में तेल और गैस की आपूर्ति और बड़े संकट में फंसने वाली है। भारत ने एहतियातन बड़ा कदम उठा लिया है। वह अमेरिका से मिली छूट का जमकर फायदा उठाते हुए तेजी से रूसी तेल जमा कर रहा है। इस बीच खबर यह आई है कि रूस के कम से कम सात जहाजी तेल टैंकरों ने अचानक अपना रास्ता बदल लिया है। ये जहाजी टैंकर बीच रास्ते ही चीन के बजाय भारत की ओर मुड़ गए। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान-अमेरिका युद्ध से पहुंच रही बाधा के बीच नई दिल्ली ने नए सिरे से अपनी एनर्जी सप्लाई को सुरक्षित करने के लिए पहल की है।

मुख्यमंत्री साय बोले- नववर्ष नव ऊर्जा और नव संकल्प का संदेश, प्रदेश वासियों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि, हिंदू नववर्ष (नव संवत्सर) एवं गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी है। उन्होंने इस मंगल अवसर पर प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और शांति की कामना की है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि चैत्र मास के प्रथम दिन से प्रारंभ होने वाला हिंदू नववर्ष नव ऊर्जा, नव संकल्प और नव चेतना का प्रतीक है। इसी पावन अवसर से शक्ति उपासना के महापर्व चैत्र नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है, जो श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक आस्था के साथ पूरे देश में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गुड़ी पड़वा विशेष रूप से महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष के स्वागत का उत्सव है।

सीएम ने कहा यह पर्व आशा, उत्साह और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। यह पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नव शुरुआत और उत्सवधर्मिता का संदेश देता है। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध देवी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि मां शीतला, मां दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, बिलईमाता और चंद्रहासिनी देवी आदि स्वरूपों में गहराई से रची-बसी है।

प्रदेश की पहचान को सशक्त बनाती है आध्यात्मिक विरासत

सीएम साय ने कहा कि यह आध्यात्मिक विरासत प्रदेश की पहचान को सशक्त बनाती है। नवरात्रि के इन पावन दिनों में छत्तीसगढ़ की धरती भक्ति, साधना और शक्ति आराधना से आलोकित हो उठती है। देवी उपासना केवल आध्यात्मिक ऊर्जा ही नहीं देती, बल्कि सामाजिक समरसता, सकारात्मक सोच और आंतरिक चेतना का भी संचार करती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए विकास और विश्वास के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मां भगवती से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे और प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास बना रहे।

दुर्ग भिलाई के पांच अस्पतालों का लाइसेंस रद्द, 48 को नोटिस जारी

124 अस्पतालों की जांच में कई खामियां, सुधार नहीं होने पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-भिलाई के पांच निजी अस्पतालों का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी अभिजीत के निर्देश पर जिले के सभी निजी अस्पतालों का निरीक्षण कराया गया। लगभग 124 निजी अस्पतालों की जांच की गई जिसमें नियमों की अनदेखी सामने आई, जिसके बाद 48 अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया और 5 अस्पतालों का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है।

दरअसल जिला प्रशासन द्वारा नर्सिंग होम एक्ट और आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों की जांच के लिए 4 टीम बनाई गई थीं। इन टीमों में नगर निगम, आयुष विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल थे। टीमों को एक महीने के भीतर सभी अस्पतालों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा गया था। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

पहले नोटिस, उसके बाद कार्रवाई

जिले में कुल 124 निजी अस्पतालों की जांच की गई। जांच रिपोर्ट में 48 अस्पतालों में जरूरी सुविधाओं और नियमों में कमी पाई गई। इसके बाद इन अस्पतालों को 30 दिन के अंदर जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया गया था। अधिकारियों ने साफकहा था कि समय रहते कमियां दूर नहीं की गईं तो

सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने बताया कि अस्पतालों से जवाब मिलने के बाद फिर से निरीक्षण किया गया।

जांच के बाद इन अस्पतालों का लाइसेंस रद्द

एक बार नोटिस देने के बाद विभाग की ओर से दोबारा जांच की गई। दोबारा जांच में पाया गया कि 5 अस्पतालों ने अभी भी जरूरी सुधार नहीं किए हैं। ये अस्पताल नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे थे। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए दाउजी मेमोरियल हॉस्पिटल (जामगांव आर, पाटन), प्राची हॉस्पिटल (पुलगांव), जीवन ज्योति हॉस्पिटल (वार्ड 5, जामुल भिलाई), आईएमआई हॉस्पिटल (न्यू खुर्सीपार भिलाई) और आशीर्वाद नर्सिंग होम (जीई रोड, भिलाई) का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया।

अन्य अस्पतालों पर भी नजर

अधिकारियों का कहना है कि ये कार्रवाई मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। अस्पतालों में साफ-सफाई, जरूरी मशीनें, स्टाफ और इलाज की सही व्यवस्था होना जरूरी है। जिन अस्पतालों में ये सब नहीं पाया गया, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बाकी अस्पतालों पर भी लगातार नजर रखी जाएगी। अगर कहीं भी लापरवाही मिली तो आगे भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम यंत्र की स्थापना सम्पन्न, राष्ट्रपति ने रामलला के किए दर्शन

अयोध्या ए.। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंची हैं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई 2024 को अयोध्या आई थीं, तब

उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया था।

राममंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद आयोजित कार्यक्रम में हजारों रामभक्तों को संबोधित करते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि इसके साथ ही 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण परिपूर्ण हो गया है। कार्यक्रम में राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें 1984 से राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग भी शामिल रहे।

देवर-भाभी का इश्क, पति ने करा दी शादी

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर में देवर और भाई की शादीहुई। खानपुर में एक विवाहित महिला का अपने ही देवर से प्रेम-प्रसंग चर्चा का विषय बना हुआ है। पति की सहमति से पंचायत ने दोनों की शादी करा दी। इस घटना को सुनकर हर कोई हैरान है। खानपुर थाना क्षेत्र के चकौटी गांव में अजब प्रेम की गजब कहानी हुई। दो बच्चों की मां ने अपने ही देवर के साथ जीने-मरने की कसमें खा ली। समाज और खुद उसके पति ने भी स्वीकार कर लिया।

कुम्हारी में युवक की सड़क हादसे में मौत, रायपुर से लौट रहा था दुर्ग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रायपुर से दुर्ग लौट रहे एक युवक की कुम्हारी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक स्कूटी से अपने घर जा रहा था, तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान दुर्ग निवासी शुभम गुप्ता (37) के रूप में हुई है। शुभम किसी काम से रायपुर गए थे और वहां से वापस दुर्ग लौट रहे थे। जैसे ही वे कुम्हारी क्षेत्र में पहुंचे, तभी यह हादसा हो गया। घटना बुधवार देर रात कुम्हारी थाना क्षेत्र में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेलर भी रायपुर से दुर्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान स्कूटी ट्रेलर की चपेट में आ गई। बताया जा रहा है कि स्कूटी सवार ट्रेलर के पिछले पहिए में फंस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटी काफी देर तक ट्रेलर के नीचे फंसी रही, जिसे बाद में पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला।

दुर्ग में पापुशा गैसेस प्राइवेट लिमिटेड पर छापा 599 सिलेंडर और 2841 किलो एलपीजी जब्त

- दस्तावेजों के बिना चल रहा था कारोबार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई सुचारू रखने के लिए प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। बुधवार को जिला खाद्य विभाग की टीम ने ग्राम पंचायत रसमडा स्थित बोरई इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में पापुशा गैसेस प्राइवेट लिमिटेड पर अचानक छापा मारा।

जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद 599 गैस सिलेंडर और 2841 किलो एलपीजी जब्त किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यहां कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड के जरिए 'गो गैस' और 'गैस प्वाइंट' नाम से सिलेंडर सप्लाई हो रही थी। यह सप्लाई डीलरों के माध्यम से सीधे ग्राहकों तक पहुंच रही थी। अधिकारियों के अनुसार यह काम सार्वजनिक वितरण प्रणाली से अलग समानांतर रूप में चल रहा था, जो नियमों के खिलाफ है।

वैध दस्तावेज नहीं मिले

अधिकारियों ने संबंधित कागजात मांगे तो कंपनी कोई जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। कंपनी के स्टॉक रजिस्टर और मौके पर मौजूद सिलेंडरों की संख्या में अंतर भी पाया गया। इससे रिकॉर्ड संधारण में गंभीर लापरवाही स्पष्ट हुई। कंपनी के मैनेजर ने बताया कि 'अतुल रबर' नाम की फर्म को डीलर के रूप में गैस सप्लाई की जाती है। खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया ने कहा कि कालाबाजारी पर लगातार नजर रखी जा रही है। पहले भी कई बार सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं। जहां-जहां शिकायत मिलती है, वहां जांच की जाती है।

रायपुर में रेलवे का 'ऑपरेशन क्लीन', रातभर चला सीक्रेट मिशन... पानी की नकली बोतलें बरामद

- अवैध रूप से सामान बेच रहे 5 वेंडर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले अवैध वेंडरों के खिलाफ रायपुर रेल मंडल ने स्ट्राइक की है। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग ने 'सीक्रेट अभियान' चलाकर स्टेशन पर दबिश दी। 18 घंटे तक चली इस ताबड़तोड़ छापेमारी में 5 वेंडरों को गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान 17 मार्च की दोपहर 2:00 बजे शुरू हुआ और 18 मार्च की सुबह 8:00 बजे तक लगातार चला। टीम ने विशेष रूप से रात के समय गुजरने वाली ट्रेनों को टारगेट किया, जहां अक्सर अवैध वेंडरों की सक्रियता बढ़ जाती है।

नकली पानी की बोतलें जब्त

ट्रेनों की जांच के दौरान अनधिकृत ब्रांड की 456 रेल नीर की बोतलें मिलीं। इन्हें जब्त कर पार्सल विभाग को सौंप दिया गया है। बिना बुक सामान पर जुर्माना: चेकिंग के दौरान 2 क्विंटल ऐसा सामान पकड़ा गया जिसकी बुकिंग (लगेज बुकिंग) नहीं कराई गई थी। रेलवे ने मौके पर ही 2500 रुपए का जुर्माना वसूला। जांच के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में अवैध रूप से सामान बेच रहे 5 वेंडरों को पकड़कर जीआरपी के हवाले किया गया। इन पर रेलवे एक्ट की धारा 144 और 147 के तहत केस दर्ज किया गया है।

सीनियर डीसीएम बोले- बर्दाश्त नहीं होगी अनियमितता

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण खानपान रेलवे की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध वेंडिंग और अनुशासनहीनता के खिलाफ यह गोपनीय अभियान आगे भी जारी रहेगा। स्टेशनों पर केवल अधिकृत वेंडरों को ही सामान बेचने की अनुमति है। बिना बुकिंग के पार्सल या लगेज ले जाने वालों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

संपादकीय

बेरोजगार स्नातक

शिक्षा के अनुरूप रोजगार को गति मिले

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या, निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है।

> "निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है।

वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा, स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है। देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी, पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र, मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं। इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि, रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो व्यावसायिक प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाने, उद्योग तथा अकादमिक साझेदारी को दृढ़ता देने की दिशा में काम करने तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मजबूत करने की जरूरत होगी। निश्चित रूप से जब हम श्रम प्रधान क्षेत्रों को प्रभावी बनाने का प्रयास करेंगे तो रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकेगी। इसके साथ ही यह भी जरूरी होगा कि देश की आर्थिक नीति को तेजी से बढ़ते शिक्षित कार्यबल की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाया जाए। हमारे नीति नियंताओं के सामने चुनौती बिल्कुल स्पष्ट है कि देश की अर्थव्यवस्था में यह सुनिश्चित किया जाए कि शिक्षा का लाभ यूं ही व्यर्थ न चला जाए।

चुनावों में संयम-समझदारी दिखाएं राजनेता

विश्वनाथ सचदेव

पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है—चुनावी अर्थात् अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है।

देश के पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा हो गयी है। अब चुनाव-प्रचार में तेज़ी आयेगी। इस तेज़ी का एक मतलब नेताओं के भाषणों में तेज़ी आना है। वैसे भी, हमारे नेता, चाहे वे किसी भी दल वाले हों, बोलने में किसी से पीछे नहीं हैं, पर अब यह बड़बोलापन और उभर कर सामने आयेगा। हमारे नेता कभी भी, कहीं भी, कुछ भी बोल सकते हैं। ताज़ा उदाहरण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा है। एक समाचार-चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने घोषणा कर दी है कि वर्ष 2031 तक वे असम के सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने दल, यानी भाजपा, में समाहित कर लेंगे। यह कहकर वे बताना चाहते थे कि अगले पांच साल में, वे असम राज्य को कांग्रेस-विहीन बना देंगे। दस साल पहले कुछ ऐसा ही नारा भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी दिया था—वे देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहते थे। वैसे उन्हें अधिकार है अपनी बात को अपने ढंग से समझाने का, पर सामान्य समझ यह बताती है कि इन नेताओं का लक्ष्य या उद्देश्य देश की राजनीति को एकदलीय बनाना है। हमारे जनतंत्र में ऐसा होना न तो वांछित है, न ही संभव, पर ऐसा इरादा रखनेवालों को कौन रोक सकता है?

हमारा भारत बहुत बड़ा देश है। आसेतु-हिमालय यहां अनेक धर्म हैं, अनेक विचारधाराएं हैं। देश के हर नागरिक को अधिकार है अपनी बात कहने, अपनी बात समझाने का, अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार का। हर नागरिक को यह भी अधिकार है कि वह दूसरे को गलत सिद्ध करने की कोशिश करे। शर्त बस यह है कि वह यह काम तार्किक ढंग से, विवेकशील तरीके से करे यह सब करते हुए दूसरे के इस अधिकार को भी स्वीकारे कि उसे भी अपनी बात कहने का उतना ही अधिकार है। बात सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की नहीं है, बात एक ऐसी व्यवस्था को भी स्वीकारने की है जिसे हमने अपने लिए चुना है।

हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में अलग-अलग विचारों को रहने-पनपने के अवसर हैं। हर रंग के फूल खिलें, हर फूल की अपनी गंध हो। रंग और गंध की यह विभिन्नता हमारे बगीचे का सौंदर्य है और यह विभिन्नता हमारी ताकत भी है। बनी रहनी चाहिए यह विभिन्नता, ताकि हमारी ताकत भी बनी रहे। देश में एकता का मतलब यह है कि विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों का होने के बावजूद हमारे भीतर यह अहसास बना रहे कि हम सब इस देश के नागरिक हैं, देश के हित में ही हम सबका हित निहित है। इसका मतलब यह भी है कि विभिन्न विचारधाराओं का मतलब यह नहीं है कि हम एक-दूसरे के दुश्मन हैं। हम एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, एक-दूसरे को गलत मान सकते हैं, बता सकते हैं। पर हम यह कदापि नहीं चाहेंगे कि दूसरे की कीमत पर हम अपना हित साधें। हमें एकता और एकरूपता के अंतर को पहचानना होगा। एकरूपता चाहने का मतलब है दूसरे के अस्तित्व को नकारने की कोशिश करना, जबकि एकता हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर देती है, अर्थ समझाती है। एकता हमें बताती है कि हमारा हित एक-दूसरे के साथ होने, साथ जीने में है, जबकि एकात्मकता का अर्थ है भिन्नता का मिट जाना। किसी अस्तित्व का इस तरह का नकार आध्यात्मिक अर्थों में भले ही आकर्षक लगता हो, पर लौकिक जीवन में यह 'अद्वैत' समस्याओं को जन्म देने वाला ही हो सकता है। 'आओ, साथ जियें', और 'मेरे साथ जीने के लिए तुम मिट जाओ' के अंतर को हमें समझना होगा। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, किसी भी विचारधारा का हो, अच्छा भी हो सकता है, बुरा भी हो सकता है। पर वह इसलिए अच्छा या बुरा नहीं है कि वह किसी धर्म या किसी विचारधारा को मानता है। विभिन्न विचारों, धर्मों का होने के बावजूद हम साथ रह सकते हैं, यह साथ रहना ही हमारी एकता है। एक-दूसरे को अपना मानना हमारी ताकत है।

भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां इतने सारे धर्म मिल-जुलकर रह रहे हैं, पनप रहे हैं। यह सही है कि सब धर्मों की अपनी जीवन-शैली और मान्यताएं हैं, और यह भी सही है कि हमारा संविधान हर नागरिक को अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का अधिकार देता है। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि अपने धर्म के प्रसार के नाम पर कोई दूसरे धर्म के प्रति नफरत का भाव फैलाये। अपने धर्म की विशेषताओं को बताने-समझाने का मेरा अधिकार मुझे यह अधिकार नहीं देता कि मैं दूसरे के धर्म के प्रति अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करूं अथवा गलत भावनाएं फैलाऊं।

बहरहाल, यह एक दुखद स्थिति है कि आज देश में राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए धर्म के नाम पर अनुचित माहौल बनाया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री ने जब राज्य के सारे कांग्रेसियों को भाजपाई बनाने वाली बात कही थी तो उन्होंने 'एक को छोड़कर' शब्दों का इस्तेमाल भी किया था। उनका स्पष्ट इशारा किसी अल्पसंख्यक नेता की ओर था। धर्म-विशेष का नाम लेकर सांप्रदायिकता को हवा देने वाले इस तरह के विचार-व्यवहार के लिए जनतांत्रिक भारत में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात तो यह भी है कि धर्म के नाम पर यह वैमनस्य-भाव फैलाने की प्रवृत्ति सड़क से लेकर संसद तक फैलती दिख रही है। पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए हमारे कुछ सांसद इस संदर्भ में आपराधिक प्रवृत्ति का परिचय दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति घातक है, और खतरनाक भी। यह भी कम बड़ी त्रासदी नहीं है कि हमारे नेता, विधायक से लेकर मंत्री तक, खुलेआम साम्प्रदायिकता फैलाने की बातें कर रहे हैं। अलीगढ़ के एक सांसद, महाराष्ट्र के एक मंत्री और एक केंद्रीय मंत्री के हालिया बयान चौंकाने वाले भी हैं, और डरावने भी। यह प्रवृत्ति रुकनी ही चाहिए।

आज, जबकि देश के पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा हो चुकी है, और प्रचार-कार्य ज़ोर पकड़ रहा है, इस बात की आवश्यकता कहीं अधिक है कि हमारे राजनेता संयम और समझदारी का परिचय दें। वैसे तो पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है—चुनावी अर्थात् अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है।

जनतंत्र भले ही बहुमत के शासन का एक स्वरूप हो, पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि बहुलतावाद हमारी राजनीति का मुख्य चेहरा बन जाये। फिर, बहुमत के शासन का यह अर्थ भी नहीं है कि अल्पमत के अस्तित्व को ही नकराने का अवसर मान लिया जाये। सच तो यह है भारत जैसे देश में बहुमत का यह कर्त्तव्य भी बनता है कि वह अल्पमत को संरक्षण दे। सवाल बहुमत के हित का नहीं, सबके हित का है। 'सबका साथ, सबका विकास' सिर्फ एक नारा बन कर नहीं रहना चाहिए। यह एक विचार है जिसे ईमानदारी से फैलाने की कोशिश होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि ऐसा होता नहीं दिख रहा। चुनाव-प्रचार की अवधि एक अवसर है, अपनी राजनीतिक ईमानदारी का परिचय देने का- इसे झूठ बोलने और झूठ फैलाने का अवसर बताने का मतलब जनतांत्रिक मूल्यों में अपने अविश्वास को ही जताना है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अब तक एआई काम के बोझ से राहत नहीं दे पा रहा

एन. रघुरामन

एआई की मदद से काम पूरा कर रहे लोगों से पूछिए कि वे इससे कितना समय बचा लेते हैं? वे आपको यह कह कर चौंका सकते हैं कि 'एआई ने हमारा काम बेहतर नहीं, बदतर कर दिया है।' महज कर्मचारियों ही नहीं, बल्कि सबसे बड़े एआई समर्थकों को भी इससे सबसे बड़ी उम्मीद यही थी कि यह काम का बोझ घटाएगा और लोगों को उच्चस्तरीय रचनात्मक कार्यों के लिए अधिक समय देगा।

बिल गेट्स और जेपी मॉर्गन चेज के जेमी डाइमोन जैसे टेक और बिजनेस लीडर्स ने भी कहा कि 'एआई अंतत: लोगों को अधिक नहीं, बल्कि कम कामकाज की ओर ले जा सकता है और इससे वर्कवीक छोटा हो सकता है।' इलॉन मस्क ने कहा कि अगले दो दशकों में एआई और रोबोट्स की तरक्की से कामकाज वैकल्पिक तक बन सकता है। लेकिन अभी तक सब उल्टा हो रहा है। मौजूदा रिसर्च तो यही कहती है।

ऐसा क्यों? ऐसा नहीं है कि एआई दक्षता नहीं बढ़ाता। दरअसल, जो क्षमता एआई बचाता है, उसे तत्काल दूसरे काम में लगा देता है। इसी से काम का बोझ बढ़ने लगता है। मसलन, अगर कोई एआई से कोई प्रोजेक्ट कर रहा है तो शुरुआती रिपोर्ट चंद सेकंड में आ जाती है।

लेकिन साथ ही ऐसे सुझाव भी आते हैं कि 'क्या मैं इस चीज पर भी विचार करूं?' या 'मैं आपकी कंपनी की जरूरत के अनुसार इम्प्लीमेंटेशन प्लान जोड़ सकता हूं।' या फिर 'चूंकि मुझे आपकी क्लाइंट्स लिस्ट पता है तो मैं इसे आपके रेगुलर क्लाइंट्स की रुचि के हिसाब से ढाल सकता हूं।' ऐसे एआई 7-8 लेयर्स तक नई चीजें जोड़ता जाता है, जिन पर कर्मचारी ने सोचा तक नहीं होता या जो जरूरी होती ही नहीं। एआई की इसी आदत से यूजर एक ही काम की गहराई में डूबता जाता है और थक जाता है। प्रोडक्टिविटी ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर कंपनी 'एक्टिवट्रैक' ने हाल ही में वर्किंग हैबिट्स पर एआई के असर को लेकर अब तक के सबसे बड़े अध्ययनों में से एक पूरा किया। इसमें 1,111 नियोक्ताओं के 1.64 लाख कर्मचारियों की 443 मिलियन घंटे से ज्यादा की डिजिटल एक्टिविटी का अध्ययन कर कुछ दिलचस्प तथ्यों का खुलासा किया गया।

अध्ययन में एआई टूल्स इस्तेमाल करने से पहले और बाद के 180 दिनों में कर्मचारियों की डिजिटल एक्टिविटी को देखा गया। सामने आया कि एआई से लगभग हर क्षेत्र में गतिविधि बढ़ गई। ईमेल, मैसेजिंग और चैट ऐप्स पर समय दोगुने से ज्यादा हो गया।

वहीं, फोकस्ड और बिना व्यवधान वाले काम को दिया जाने वाला समय 9% तक घट गया। वो एकाग्रता वाला समय, जो अकसर जटिलताएं समझने और हल करने, फॉर्मूला बनाने, नए आइडिया बनाने और लागू करने के लिए जरूरी होता है।

वे कंपनियां भी प्रभावित हो रही हैं, जिन्होंने प्रशासनिक काम ऑटोमेट करने के लिए एआई विकसित किया, ताकि अतिरिक्त कार्मिकों को अन्य कामों में लगा सकें। ऐसा इसलिए, क्योंकि खुद ऑटोमेशन वाला काम ही पूरा नहीं हो रहा। कर्मचारी काम को बार-बार करने, सुधारने और फिर एआई सुझावों को जोड़ने में उलझे रहते हैं। इसमें ज्यादा समय खपता है।

लोग अकसर कम नहीं, बल्कि ज्यादा काम करते हैं। बर्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के हास स्कूल ऑफबिजनेस में एसोसिएट प्रोफेसर अरुणा रंगनाथन ने बीते सप्ताह मीडिया से कहा कि 'एआई हमें अतिरिक्त काम में उलझा देता है, और चूंकि उन्हें कुछ हद तक आसान भी बनाता है, लेकिन इसमें हम उलझे रहते हैं, जिससे गति बने रहने का भाव महसूस होता है।' रंगनाथन के अध्ययन के शुरुआती निष्कर्ष हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में प्रकाशित हुए हैं।

चूंकि एआई टूल्स के साथ काम करने का औसत समय आठ गुना बढ़ गया है तो सवाल यह है कि एआई का इस्तेमाल ऐसे कैसे करें कि ऊर्जा और उच्च उत्पादकता, दोनों बनी रहें विशेषज्ञ सुझाते हैं कि जो लोग काम के कुल घंटों का 7 से 10% समय एआई टूल्स पर खर्च करते हैं, उनकी उत्पादकता सर्वाधिक होती है।

फंडा यह है कि एआई दोधारी तलवार है। यह आपको तेजी से आगे ले जा सकता है, लेकिन गहरा जाने के लिए लुभा भी सकता है। अगर आप गहराई में जाते रहे तो अगला काम करने के लिए सतह पर लौट ही नहीं पाएंगे। तो फिलहाल इसे संयम के साथ इस्तेमाल करें।

जनभागीदारी व जागरूकता से शुद्ध होगा गंगाजल

ज्ञानेन्द्र रावत

असल में, गंगा तब तक शुद्ध नहीं हो सकती जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करें और इस अभियान में जनभागीदारी को अहमियत न दी जाए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल देश की धर्मपरायण जनता की जागरूकता का है।

गंगा नदी आज भी अपनी शुद्धि की बाट जोह रही है। राजीव गांधी के सत्तासीन होने के बाद 1986 में गंगा एक्शन प्लान लागू हुआ था, लेकिन उसके बावजूद गंगा शुद्धि के नाम पर खर्च किए गए हजारों करोड़ रुपये भी उसे प्रदूषण से मुक्त नहीं कर पाए। आज भी गंगा का जल आचमन के लायक नहीं रह गया है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की उत्तराखंड में नमामि गंगे कार्यक्रम पर केंद्रित 2018-2023 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट गंगा की बदहाली को ही दर्शाती है। कैग की रिपोर्ट हाल ही में राज्य विधानसभा के बजट सत्र में पटल पर रखी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गोमुख से लेकर देवप्रयाग तक गंगा का पानी आचमन योग्य यानी 'ए' श्रेणी का है, जबकि ऋषिकेश और हरिद्वार तक उसका पानी नहाने योग्य यानी 'बी' श्रेणी का है।

कैग रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने गंगातट पर बसे शहरों में सीवेज सुविधाओं में वृद्धि के लिए धन आवंटित नहीं किया। रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के डिज़ाइन में खामियां, इंफ्रास्ट्रक्चर का खराब रखरखाव, गंगा में गिरने वाले नालों को रोकने में नाकामी और नदियों तथा धाराओं में कचरा फेंके जाने पर अंकुश लगाने में असफलताएं रही हैं।

कैग की रिपोर्ट में, 'नमामि गंगे' योजना की विफलताएं सामने आई हैं। उदाहरण के लिए, वानिकी हस्तक्षेप का मामला, जिसमें 885.91 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था, परंतु निर्धारित लक्ष्य के विपरीत कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की गई। जिन पेड़ों को लगाने का लक्ष्य था, उनके लिए आवंटित धन का एक भी हिस्सा सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च नहीं किया गया। न तो एसटीपी बने, न ही घरों को सीवर कनेक्शन दिए गए। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी में 11 श्मशान घाटों का निर्माण हुआ, जो न तो प्रयोग में लाए गए हैं और न ही उनका ठीक से रखरखाव किया गया है। राज्य के अधिकारियों ने गंगा के संरक्षण के लिए 2020 तक कोई ठोस योजना नहीं बनाई और गंगा में गंदा पानी और औद्योगिक कचरा गिरने से रोकने में नाकामी रही। गंगा किनारे बसे सात शहरों में बने 21 एसटीपी में से एक भी घर का सीवेज इनसे नहीं जुड़ा। हरिद्वार और ऋषिकेश में ओवरलोडिंग की समस्या तो बढ़ी ही, वहीं जोशीमठ और देवप्रयाग में सीवेज का बहाव भी घट गया। इससे यह साफहै कि एसटीपी अपने उद्देश्य में विफल रहे हैं। गंगा के संरक्षण के लिए जर्मन डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाओं द्वारा दिया गया फंड भी सिर्फ हरिद्वार और ऋषिकेश तक ही सीमित रहा। ऋषिकेश के ढालवाला, कीर्तिनगर, रुद्रप्रयाग, श्रीकोट, गोपेश्वर और कर्णप्रयाग जैसे स्थानों पर 12 एसटीपी बिना ट्रीट किए गंदा पानी गंगा में बहा रहे हैं। 44 एसटीपी में से 8 एसटीपी चार साल से अधिक समय तक बिना पीसीबी की मंजूरी के संचालित हो रहे हैं। 18 एसटीपी अभी तक उत्तराखंड जल संस्थान को सौंपे ही नहीं गए हैं। ये सभी गंगा की शुद्धि के लिए बनी योजनाओं की नाकामी के प्रतीक हैं।

गंगा की यह बदहाली जब उत्तराखंड में है, तो उसके बहाव क्षेत्र जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में तो स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। गंगा के बहाव क्षेत्र के अधिकांश स्थानों पर कोलिफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से 45 गुणा से भी अधिक पाई गई है। एनजीटी ने भी माना है कि गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना ट्रीटमेंट के गंदगी गिराई जा रही है।

गंगा में सॉलिड और लिक्विड वेस्ट गिरने के कारण और टोटल कोलिफार्म एवं फीकल कोलिफार्म का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है। इसके कारण चर्म रोगों के मामलों में वृद्धि हो रही है। गंगाजल में ऐसे जीवाणु पाए गए हैं जिन पर एंटीबायोटिक दवाओं का भी असर नहीं होता। शोधों में यह भी खुलासा हुआ है कि गंगा बेसिन में माइक्रोप्लास्टिक का अत्यधिक प्रसार हो चुका है, जो पारिस्थितिकी तंत्र, जल स्रोतों और जीव-जंतुओं के लिए भी गंभीर खतरा है। माइक्रोप्लास्टिक बायोडिग्रेडेबल नहीं होता और पर्यावरण में जमा हो जाता है, जो समुद्री तंत्र और प्राणी जगत के लिए भी एक भयंकर समस्या है।

यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट के शोध में यह पाया गया कि गंगा किनारे के प्रदूषित इलाकों में प्रदूषण बढ़ने से लोगों की उम्र कम हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एंटीबायोटिक्स के बेअसर होने के कारण बैक्टीरिया होने से हर साल सात लाख मौतें होती हैं। धार्मिक कारणों से लाखों श्रद्धालु गंगा में स्नान करते हैं और उसका जल आचमन करते हैं। इसके कारण गंगाजल में घुले एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। गंगा शुद्धीकरण के अभियान में केंद्र सरकार के सात मंत्रालयों की साख दांव पर है। असल में, गंगा तब तक शुद्ध नहीं हो सकती जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करें और इस अभियान में जनभागीदारी को अहमियत न दी जाए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल देश की धर्मपरायण जनता की जागरूकता का है।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

ऑनलाइन पूजा-पाठ कर चाहें ठाठ-बाट

असल में सच यह है कि हम भगवान के पास समर्पण लेकर नहीं, प्रस्ताव लेकर जाते हैं। इस प्रस्ताव में भक्ति कम, डील ज्यादा है। यानी पहले तय होगा कि चाहिए क्या।

एक बार एक लड़की ने अपनी सहेली से पूछा कि तू शादी से पहले भी हर सोमवार मंदिर जाती थी और अब भी जाती है। वह बोली, शादी से पहले तो इसलिये जाती थी कि भगवान शंकर अच्छा-सा वर दे देंगे और अब उन्हें उलाहना देने जाती हूं कि क्या मांगा था और क्या दे दिया।

वर्क फ्रॉम होम की तरह घर बैठे ऑनलाइन पूजा होने लग गई है। पेटीएम से चढ़ावा चढ़ता है। हैरानी तो तब हुई जब एक मां किसी पंडित जी से अपने बेटे की नजर भी ऑनलाइन उतरवा रही थी। करवा चौथ या संकट चौथ पर चांद न दिखे तो ऑनलाइन देखा जाने लगा है। हे राम! ये क्या हो रहा है। तपस्या का नया ऑनलाइन पैकेज। आजकल तपस्या भी बड़ी आधुनिक हो गई है। पहले लोग जंगलों में बैठकर मन को साधते थे, अब लोग कंप्यूटर-मोबाइल पर ही धोक मार लेते हैं।

मनुष्य का मन बड़ा होशियार व्यापारी है। उसे भगवान भी देवता कम और कृपा कारोबारी ज्यादा दिखाई देते हैं। जैसे मंदिर कोई आध्यात्मिक स्थल नहीं बल्कि इच्छाओं का शॉपिंग मॉल हो। मज़े की बात देखिये कि जब मनोकामना पूरी हो जाती है तो आदमी कहता है- देखा, मेरी भक्ति रंग लाई। और जब पूरी नहीं होती तो वही आदमी कहता है— लगता है भगवान भी आजकल किसी और पार्टी के साथ हैं।

असल में सच यह है कि हम भगवान के पास समर्पण लेकर नहीं, प्रस्ताव लेकर जाते हैं। इस प्रस्ताव में भक्ति कम, डील ज्यादा है। यानी पहले तय होगा कि चाहिए क्या। नौकरी में प्रोमोशन, बेटे का एडमिशन, पड़ोसी से बड़ी गाड़ी या रिश्तेदारों के सामने थोड़ा-सा रुतबा। फिर उसके हिसाब से भक्ति का पैकेज तैयार होगा। कुल 11 सोमवार, 21 मंगलवार, 108 दीपक, 1008 नारियल, यानी मनुष्य भगवान के सामने भी पूरी योजना बनाकर आता है।

सीधी भाषा में कहूं तो आज की तपस्या कुछ-कुछ ऑनलाइन शॉपिंग जैसी हो गई है, ऑर्डर पहले, पेमेंट बाद में! आज की दुनिया में तपस्वी कम और इच्छाओं के ग्राहक ज्यादा दिखाई देते हैं। एक मनचले को तपस्या करते देख भगवान प्रकट हुए और पूछा कि बताओ बेटा क्या चाहिए? नवयुवक का उत्तर था कि चाहिए की बात तो बाद में पहले मेरी तपस्या भंग करने के लिए कोई अप्सरा भेज दो।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

पार्श्वतीर्थ नगपुरा में वर्षीतप पारणा 19 व 20 अप्रैल को

दुर्ग। तपोभूमि उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में इस वर्ष अक्षय तृतीया पर वर्षीतप पारणा महोत्सव 19 व 20 अप्रैल को धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव प्रभु ने एक वर्ष तक कठिन तपस्या कर अक्षय तृतीया के दिन इक्षुरस से व्रत का समापन (पारणा) की थी। उस परम्परा में आज भी जैन धर्म के लाखों धर्मावलंबी वर्षीतप की तपस्या करते हैं और अक्षय तृतीया को इक्षुरस से पारणा करते हैं। नगपुरा पार्श्व तीर्थ में प्रतिष्ठाचार्य गुरुदेव श्रीमद् विजय राजयश सूरीश्वर मसा, प्रवर्तिनी साध्वी वाचंयमा श्रीजी बेन मसा की प्रशिष्या साध्वी लक्ष्ययशा श्रीजी मसा आदि ठाणा 3 की निश्रा में बालदीक्षिता साध्वी आज्ञायशा श्रीजी मसा और रायपुर निवासी श्राविका दक्षाबेन-पुखराज मुणोत्त आदि तपस्वियों का जिनभक्ति उत्सव के साथ वर्षीतप पारणा होगा।

बच्चों की स्कूल फीस के लिए दी आर्थिक सहायता

भिलाई। कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय में सर्वसमाज कल्याण समिति और यूथ सिख सेवा समिति ने 5 बच्चों को स्कूल फीस के लिए चेक के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की। पहले चेक में 56620 रुपए, दूसरे चेक में 16940 रुपए, तीसरे चेक में 3600 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा क्षेत्र के नागरिकों, वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं से भेंट कर संवाद भी किया गया। सभी ने सुझाव साझा किए।

पीएम आवास योजना से पूरा हुआ स्व-आवास का सपना : लॉटरी से निकाले 12 हितग्राहियों के नाम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आवासों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

आकर्षक एवं किफायती दरों पर बने ये मकान शहरवासियों के लिए बेहतर आवासीय विकल्प बनकर तैयार हैं, जिसके चलते हितग्राहियों द्वारा लगातार आवेदन किए जा रहे हैं।

निगम द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 7 एवं मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों हेतु कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, निलेश अग्रवाल, सरिता चंद्राकर एवं सहायक अभियंता संजय ठाकुर की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए।

महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किया गया।लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

निगम प्रशासन ने बताया कि सम्पूर्ण राशि जमा करने के पश्चात हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई आवास किराये पर देता पाया गया, तो निगम द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। जमा राशि भी जब्त कर ली जाएगी। अत: योजना का दुरुपयोग करने की कोशिश न करें। कार्यक्रम में सीएलटीसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में 8 लाख करोड़ के एमओयू, पैदा होंगे निवेश और रोजगार के नए अवसर : अग्रवाल

- भिलाई में पीआईबी का 'विबी-जी-राम-जी - ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव' मीडिया कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आज भिलाई में 'विबी-जी-राम-जी - ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव' विषय पर मीडिया कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत दुर्ग के सहायक परियोजना अधिकारी अर्दीप ढिढ़ी एवं दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय शामिल हुए।

मुख्य अतिथि राजीव अग्रवाल ने कहा कि 'विबी-जी-राम-जी' की परिकल्पना वास्तव में ग्रामीण भारत में एक बड़े परिवर्तन की नींव है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है, तो सबसे पहली प्राथमिकता बेरोजगारी को जड़ से खत्म करना है।

उन्होंने बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के माध्यम से लगभग 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए हैं, जिसके तहत कई कंपनियां प्रदेश में निवेश कर रही हैं, जिससे युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक महिला हॉस्टल तैयार किए जा रहे है। विबी-जी-राम-जी के तहत 125 दिन का कार्य वास्तविक रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। फसल की बुआई से लेकर कटाई तक किसान भाइयों की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए 60 दिनों के अवकाश हेतु ब्लॉक की व्यवस्था की गई है, ताकि खेती और विकास कार्य साथ-साथ चल सकें।

योजनाओं में पारदर्शिता पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी धन की उपयोगिता की निगरानी साप्ताहिक आधार पर की जाएगी और कार्यों की सटीक स्थिति जानने के लिए जीपीएस तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने यह भी साझा किया कि एआई के समावेश से कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता में क्रांतिकारी सुधार होगा।

कार्यशाला के दौरान जिला पंचायत दुर्ग के सहायक परियोजना अधिकारी अर्दीप ढिढ़ी ने 'ग्रामीण भारत के परिवर्तनकारी बदलाव' की दिशा में जिला पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की।

वहीं, दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती डिजिटल पैठ के बीच साइबर सुरक्षा के महत्व पर पत्रकारों को जागरूक किया।

राजस्थानी गौड़ ब्राह्मण समाज ने निकाली गणगौर की भव्य शोभायात्रा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राजस्थानी गौड़ ब्राह्मण समाज दुर्ग की महिलाओं द्वारा सुहाग और समृद्धि के प्रतीक पावन पर्व गणगौर के अवसर पर गौर ईश्वर की भव्य शोभायात्रा बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ निकाली गई। इस अवसर पर समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने भाग लेकर उत्सव को भक्ति और संस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया।

शोभायात्रा में समाज की महिलाएं सोलह श्रृंगार कर अपनी पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सुसज्जित होकर शामिल हुईं। सिर पर कलश और गौर ईश्वर की प्रतिमा के साथ निकली इस शोभायात्रा में लोकगीतों और मंगलगान के बीच भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। विशेष रूप से समाज की नवविवाहित बहुएं और बेटियां अपने विवाह के बाद पहले वर्ष की गणगौर बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुईं।

इस अवसर पर महिलाओं ने माता गणगौर की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और सभी की मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। समाज की महिलाओं ने कहा कि गणगौर पर्व हमारी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है, जो नारी के सौभाग्य, श्रद्धा और सामाजिक एकता को दर्शाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने माता गणगौर से समाज और परिवार की खुशहाली तथा समृद्धि की कामना की।

स्वदेशी मेले में प्रतियोगिताओं से देशप्रेम व सद्भावना का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले में प्रतिदिन बढ़ती जनसमूह की उपस्थिति यह दर्शा रही है कि लोगों में स्वदेशी उत्पादों के प्रति आकर्षण और अपनत्व निरंतर बढ़ रहा है। मेले में परिवार सहित पहुंच रहे नागरिक खरीदारी के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आनंद ले रहे हैं।

मेले में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से देशप्रेम, सामाजिक समरसता एवं सद्भावना का सशक्त संदेश दिया जा रहा है। बच्चों, युवाओं और महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी इस आयोजन को और अधिक जीवंत बना रही है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में गुजराती समाज द्वारा प्रस्तुत गरबा एवं लोक कला ने दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों और पारंपरिक संगीत के साथ प्रस्तुत इस कार्यक्रम ने प्रेम, एकता और संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। वहीं राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक ने भी मेले में चार चांद लगा दिए, जिससे उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया।

पारंपरिक प्रतियोगिताएं जो बीते दिनों को याद दिला रही है इन प्रतियोगिता का सभी ने आनंद उठाया इनमें फुगड़ी,लंगड़ी,मटकी फोड़ प्रतियोगिता, रस्सा कसी प्रतियोगिता, चम्मच गोली प्रतियोगिता, जलेबी दौड़ एवम स्वदेशी फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों व बड़ों ने उत्साह से भाग लिया। पुराने पारंपरिक खेलों ने सबका मन मोह लिया।

संयोजक अजय भसीन ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस मेले में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का आग्रह किया है। अर्णबकांत चौधरी, जीआर जगत, जयेश पांचाल, बॉबी दास, सरोजनी पाणिग्रही, गीता वर्मा, सुमन कनोजे, विकास जायसवाल, रश्मि वर्मा, सविता शर्मा, सुनीता सोनी, पुष्पलता कर व अनेक सदस्यों ने प्रतियोगिता में समर्पित सेवा दी।

एमआईसी की बैठक में निगम क्षेत्र के विकास का खाका तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में आज महापौर परिषद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर के विकास का वित्तीय खाका तैयार किया गया।

आयुक्त राजीव पाण्डेय ने निगम द्वारा तैयार किया गया आगामी वित्तीय वर्ष का बजट महापौर के समक्ष प्रस्तुत किया। महापौर नीरज पाल ने बजट के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ की। परिषद के सदस्यों ने बजट की बारीकी से समीक्षा की और शहर हित में अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इन सुझावों को भी प्रस्ताव में शामिल किया गया।

गहन विचार-विमर्श के उपरांत, परिषद के सदस्यों ने जनहितैषी कार्यों और शहर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए बजट में आवश्यक संशोधनों को शामिल किया। इसके पश्चात, वित्तीय वर्ष 2026-27 के इस बजट को अंतिम निर्णय हेतु सामान्य सभा में भेजने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया।

बैठक में महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डीके कोसरिया, प्रभारी अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, सभी जोन आयुक्त अजय राजपूत, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिवनाथ को प्रदूषण से बचाने की पहल : उरला में 129 करोड़ का मेगा ट्रीटमेंट प्लांट

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी को प्रदूषण से बचाने एक बड़ी पहल की जा रही है। इसके तहत शंकर नाला एवं पुलगांव नाला के गंदे पानी का शुद्धिकरण कर उसे नदी में छोड़े जाने के लिए उरला क्षेत्र में अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण किया जाएगा। महापौर ने उरला स्थित प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह नगर निगम की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका जल्द ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा भूमिपूजन किया जाएगा, इसलिए सभी आवश्यक तैयारियां शीघ्र प्रारंभ की जाएं। निरीक्षण के दौरान महापौर ने जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन एवं लोक कर्म विभाग प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, पार्षद रेशमा सोनकर, सरस निर्मलकर, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी, उपअभियंता मोहित मरकाम के साथ शंकर नाला के अंतिम छोर, उरला अटल आवास के पीछे शिवनाथ नदी और नाला संगम स्थल को देखा।

लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस प्रोजेक्ट स्थल पर उन्होंने अधिकारियों को भूमि की सुरक्षा, सीमांकन आदि जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि नाला ट्रीटमेंट प्लांट की यह योजना लंबे समय से चर्चा में रही है। निगम प्रशासन द्वारा टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाई गई, जिसके बाद राज्य शासन की स्वीकृति मिलने पर चेन्नई की एक कंपनी को लगभग 129 करोड़ का वर्क ऑर्डर जारी किया गया है।

आयुक्त ने दिया मियावाकी प्लांटेशन और जल संरक्षण पर जोर

वैशाली नगर व कैलाश नगर का सघन दौरा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बुधवार को जोन-2 वैशाली नगर और कैलाश नगर क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मियावाकी वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने और मुख्य नहर के माध्यम से जल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने इंदु आई.टी. के पीछे निगम स्वामित्व के रिक्त भूखण्ड का अवलोकन किया। शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ 'मियावाकी पद्धति' से सघन पौधारोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्थल पर बोरवेल और फेंसिंग का कार्य संपन्न हो चुका है। आयुक्त ने कहा कि इस पद्धति से न केवल पर्यावरण हरा-भरा होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

शांति नगर के स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से मुलाकात कर क्षेत्र में सुगम आवागमन हेतु नई सड़क निर्माण की मांग रखी। आयुक्त ने निवासियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किया जाएगा।

कैलाश नगर में निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे नागरिकों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण और बिल्डिंग मटेरियल रखकर मार्ग अवरुद्ध करने की शिकायत सही पाई गई। आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल बाधाएं हटाने के निर्देश दिए। एकता चौक, कैलाश नगर और कुरूद रोड किनारे स्थित मुख्य नहर का निरीक्षण किया गया। इस नहर के माध्यम से क्षेत्र के तालाबों को भरा जाएगा, जिससे भू-जल स्तर में सुधार होगा और स्थानीय निवासियों को निस्तारी कार्यों में सुविधा मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, उप अभियंता श्वेता महेश्वर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह अभियान शहर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

जिले का वनग्राम बनेगा राजस्व गांव

धमतरी। धमतरी जिले का राजस्व निरीक्षक मंडल नगरी, तहसील नगरी का ग्राम आमझर वन से घोषित राजस्व ग्राम है। कार्य एजेंसी आईआईटी रूढ़की द्वारा अंतिम प्रकाशन के लिए ग्राम आमझर के 4 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। इस गांव का तैयार राजस्व अभिलेखों का प्रारंभिक प्रकाशन जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा किया जा चुका है। सभी अभिलेख संबंधित ग्राम पंचायत में अवलोकन के लिए कार्यालयीन दिवसों में उपलब्ध है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा इन अभिलेखों से संबंधित आमजनों से दावा-आपत्तियां आमंत्रित की जा रही है। हल्का पटवारी द्वारा तैयार किये गये नक्शा शीटों एवं खसरों पर जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो, तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित-मौखिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा-आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद मिले दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

बाल श्रम मुक्ति के लिए जागरूकता रथ रवाना

कवर्धा। जिले को बाल श्रम ,बाल विवाह के अभिशाप से मुक्त करने और बच्चों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर से 'बाल श्रम मुक्ति जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जी ने श्बाल विवाह मुक्ति रथश् को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह अभियान 'एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग के 'पैन इंडिया रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन कैंपेन फॉर एराडिकेशन ऑफ चाइल्ड एंड एडोलसेंट लेबर' के अंतर्गत चलाया जा रहे अभियान का समर्थन करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य जिले में बाल श्रम पर पूर्णत: रोक लगाना है। कृषक सहयोग संस्थान बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए जमीन पर काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

शिशु संरक्षण माह का शुभारंभः बच्चों को पिलाया गया आयरन व विटामिन ए सिरप

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विकास गवेल द्वारा 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक चलाए जाने वाले शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। इस अभियान की शुरुआत बीजापुर नगर के जेलबाड़ा जयनगर एवं शांतिनगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को आयरन और विटामिन ए का सिरप पिलाकर की गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपस्थित माताओं को टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अपने बच्चों को उम्र के अनुसार सभी आवश्यक टीके समय पर लगवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के तहत गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए लू एवं अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए। माताओं को बच्चों और परिवार को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की सलाह दी गई। इस अवसर पर बीपीएम दीपक देवांगन, मितानिन दीदियां तथा सेक्टर प्रभारी बीजापुर नीलकंठ जोशी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जबरन दबावपूर्वक मैनुअल स्केवेंजर्स का कार्य करवाने वालों पर की जाए कड़ी कार्यवाही- मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य में जबरन दबावपूर्वक मैनुअल स्केवेंजर्स का कार्य करवाने वाले व्यक्तियों पर कड़ाई से कार्यवाही की जाए। उन्होंने सीवरेज सफाई के संबध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतर्गत केवल नगर निगम के माध्यम से अथवा पंजीकृत संस्थाओं के माध्यम से ही सीवरेज सफाई का कार्य करवाया जाए। साथ ही सफाई के दौरान सुरक्षा मापदंडों का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए, जिससे कोई भी अप्रिय घटना ना होने पाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध तथा उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में राज्य अनुश्रवण समिति की छत्तीसगढ विधानसभा स्थित सभाकक्ष में आयोजित बैठक की अध्यक्षता के दौरान ये निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने कल राज्य के एक निजी बड़े हॉस्पिटल में सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान तीन मजदूरों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ित वर्ग को हर संभव सहायता दी जाए साथ ही घटना के जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अप्रिय घटना ना होने पाए।

इस मौके पर आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि जबरन हाथ से मैला उठाने का कार्य करवाने वाले व्यक्तियों पर ऐक्ट में दंड का भी प्रावधान है, जिसमें एक वर्ष का कारावास अथवा पचास हजार तक जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता लाने हेतु उचित प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति के पुनर्गठन के बाद यह पहली बैठक है। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के परिपालन में गाईडलाइन अनुसार प्रदेश के समस्त जिलों में मैनुअल स्केवेंजर्स रिसर्वे करवाया गया है जिसमें सभी जिला कलेक्टर द्वारा मैनुअल स्केवेंजर्स मुक्त का प्रमाण पत्र दिया गया है जो कि प्रदेश के लिए बहुत ही सम्मान एवं गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि हाथ से मैला उठाने की प्रथा मानवीय मूल्यों एवं संविधान द्वारा स्थापित उच्च आदर्शों के विपरीत है। समाज में हर व्यक्ति को पूरे सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। उन्होंने मैन्युअल स्केवेंजर्स प्रथा के उन्मूलन की दिशा में सराहनीय प्रयास हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा अन्य सहयोगी विभागों / संस्थानों के समन्वित प्रयास की भी सराहना की। बैठक में वर्ष 2018 में आयोजित पूर्व बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 20 अक्टूबर 2023 के आदेश के अनुसरण में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से प्राप्त मैनुअल स्केवेजर्स के पुनसर्वेक्षण रिपोर्ट पर राज्य स्तरीय सर्वेक्षण समिति द्वारा चर्चा की गई एवं अनुमोदन किया गया।

बैठक में केबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, विधायक पुन्नूलाल मोहले, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव बसव राजू सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

यात्रा वृत्तांत से सजीव होती है इतिहास और संस्कृति की तस्वीर- मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

मुख्यमंत्री ने 'मोदी के राज्य से लौटकर' पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यहां छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित अपने कार्यालय के सभा कक्ष में युवा पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी की पुस्तक 'मोदी के राज्य से लौटकर' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा वृत्तांत से पाठकों के लिए इतिहास और संस्कृति की तस्वीर सजीव हो जाती है। पुस्तक में सुश्री निशा द्विवेदी ने एक पत्रकार की नजर से गुजरात यात्रा का वर्णन किया है जो बहुत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे नेतागण और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हमारे पत्रकार साथियों के जीवन में यह एक समानता है कि दोनों ही अपने कार्यक्षेत्र में हमेशा व्यस्त रहते हैं। सक्रिय पत्रकारिता के बीच यात्रा वृत्तांत जैसी रचना के लिए समय निकाल पाना जरूर कठिन रहा होगा। ये बहुत सुखद है कि सुश्री द्विवेदी ने अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को किताब के रूप में हम सभी के सामने लेकर आई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पत्रकार बहनों से मिलना हुआ था। मुलाकात में महिला पत्रकारों के अध्ययन भ्रमण के विषय में भी चर्चा हुई। ये बहुत खुशी की बात है कि पहली बार छत्तीसगढ़ की 26 महिला पत्रकारों का दल गुजरात राज्य के भ्रमण पर गया। भ्रमण से लौटने के बाद मैंने मुख्यमंत्री निवास में पत्रकार बहनों से मुलाकात की। उसी समय मैंने उन्हें यह सुझाव दिया था कि वे अपनी यात्रा के अनुभवों को जरूर लिखें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा इस वर्ष के बजट में भी हमने पत्रकारों के एक्सपोजर विजिट का प्रावधान किया है। हमारे पत्रकार साथी बड़े परिश्रम से सामाजिक सरोकार का कार्य करते हैं। हमारी सरकार हर स्तर पर पत्रकार साथियों को प्रोत्साहित कर रही है। अभी तक पत्रकारों के विविध दल महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, राजस्थान जैसे अनेक राज्यों में हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात भ्रमण का उद्देश्य महिला पत्रकारों को विकास के मॉडल को देखने, समझने और उससे सीखने का अवसर देना था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी इच्छा थी कि इस यात्रा को कोई महिला पत्रकार पुस्तक के रूप में लिखे, और यह पुस्तक उसी भावना का परिणाम है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सुशांत शुक्ला, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, जनसंपर्क आयुक्त डॉ रवि मित्तल, रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी सहित अनेक पत्रकारगण उपस्थित रहे।

22 मार्च को उल्लास महापरीक्षा में हुनर दिखाएंगे नव-साक्षर

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर जिले में शिक्षा और ज्ञान की अलख जगाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में रविवार 22 मार्च को जिले भर में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत महापरीक्षा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर को लेकर कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले के जन-जन से जुड़ने और इस अभियान को सफल बनाने की पुरजोर अपील की है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा उन बुजुर्गों और युवाओं के लिए स्वावलंबन की एक नई शुरुआत है, जो किसी कारणवश अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाए थे।

कलेक्टर ने जिले के सभी विकासखंडों और ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय साक्षरता केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक नव-साक्षरों को इस महापरीक्षा में शामिल करने पर जोर दिया है। उन्होंने मैदानी स्तर पर कार्यरत शिक्षकों, प्रेरकों और स्वयंसेवकों को निर्देशित किया है कि वे घर-घर जाकर परीक्षा के प्रति उत्साह का माहौल बनाएं, ताकि कोई भी नव-साक्षर इस अवसर से वंचित न रह जाए। कलेक्टर का मानना है कि जब जिले का हर नागरिक पढ़ना-लिखना और बुनियादी गणना करना सीख जाएगा, तभी बस्तर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से खड़ा हो सकेगा।

इस महापरीक्षा की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस प्रकार किया गया है कि सुदूर वनांचलों में रहने वाले प्रतिभागियों को भी परीक्षा देने में कोई असुविधा न हो। आगामी 22 मार्च को होने वाले इस मूल्यांकन में प्रतिभागियों की पढ़ने, लिखने और साधारण अंकगणित की क्षमता को परखा जाएगा, जिसके बाद सफल उम्मीदवारों को बुनियादी साक्षरता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र न केवल उनकी शैक्षणिक योग्यता का प्रतीक होगा, बल्कि उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास भी पैदा करेगा। कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से भी आग्रह किया है कि वे अपने आसपास के नव-साक्षरों को प्रोत्साहित कर परीक्षा केंद्र तक लाने में अपनी सहभागिता निभाएं, ताकि बस्तर जिले को पूर्ण साक्षर बनाने का सपना साकार हो सके।

विकसित भारत जी राम जी युवा डिजिटल अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ''माय भारत'' के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान (विकसित भारत-जी राम जी युवा डिजिटल अभियान) की शुरुआत की। इस अभियान के तहत क्विज, वीडियो चेलेंज और रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से देश भर के युवा डिजिटल जन-आंदोलन से जुड़ सकेंगे। अभियान का उद्देश्य विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम, 2025 के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना है।

6 मार्च 2026 से शुरू ''60 सेकेण्ड फॉर माय विलेज'' नामक राष्ट्रीय स्तर की शॉर्ट वीडियो, रील, एनिमेटेड वीडियो प्रतियोगिता युवाओं को अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन एवं आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी।जिला दन्तेवाड़ा के जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कटेकल्याण एवं कुआकोण्डा के ग्राम पंचायतों में (विकसित भारत-जी राम जी युवा डिजिटल अभियान) के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतियोगिता आयोजित कर ग्रामीण युवाओं एवं शिक्षित नागरिकों को जोड़ा जा रहा है। योजना का प्रचार-प्रसार ग्रामीणों की जागरूकता बढ़ाने एवं योजना की समस्त जानकारी उपलब्ध कराने के हेतु मैदानी अमले के अधिकारी, कर्मचारी जोर-शोर से लगे हैं। इस प्रतियोगिता में 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे और अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन एवं आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका को रचनात्मक रुप से प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रतिभागी किसी भी भारतीय भाषा में 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो तैयार कर ''माय भारत'' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।

अभियान से युवा शक्ति, पंचायत की प्रगति की भावना के साथ ग्रामीण भारत के समग्र विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। सभी पात्र प्रतिभागियों को डिजिटल सहभागिता प्रमाणपत्र मिलेगा। उत्कृष्ट वीडियो विषय संबद्धता, रचनात्मकता, मौलिकता, तकनीकी गुणवत्ता, प्रभाव एवं दिशा निर्देश पालन के आधार पर चुने जाएंगे।

धरसींवा के सरोना में 100 बिस्तर वाले नवीन अस्पताल का भूमिपूजन, स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगा बड़ा विस्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विकासखंड धरसींवा अंतर्गत सरोना, रायपुर में 100 बिस्तर वाले नवीन अस्पताल भवन के निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अस्पताल के स्थापित होने से क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। अस्पताल के निर्माण से आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेगी, जिससे उन्हें दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में लगातार नए स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सहज रूप से मिल सकें।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नए अस्पतालों के निर्माण एवं सुविधाओं के विस्तार से आमजन को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सकेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार होगा।

इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा तथा रायपुर महापौर मीनल चौबे, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियां जोरों पर

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियां जोरों पर है। राज्य के तीन शहरों रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में आगामी 25 मार्च से 3 अप्रैल तक इसका आयोजन किया जा रहा है। सभी व्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप देने तीनों शहरों में युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में खेलो इंडिया नेशनल ट्रायबल गेम्स में शामिल खेलों एथलेटिक्स, तीरंदाजी, हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती एवं दो डेमो गेम्स मलखंब एवं कबड्डी के मैदानों में सभी

इंतजामों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने आयोजन में भाग लेने विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों के आवास, परिवहन एवं भोजन संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मानकों के अनुरूप आवास व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की

श्री साव ने सभी खिलाड़ियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं, इन्जरी मैनेजमेंट, वेन्यू पर मेडिकल किट तथा पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खेल स्थलों पर स्पोर्ट्स इक्विपमेंट्स के इंस्टालेशन, शुभारंभ एवं समापन समारोह तथा संपूर्ण आयोजन के प्रचार-प्रसार व जन सहभागिता संबंधी गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन सक्रियता, गंभीरता तथा निष्ठा के साथ करने को कहा। उन्होंने ट्राइबल गेम्स में भागीदारी के लिए देशभर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। दस दिनों तक चलने वाले खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में 32 राज्यों के 3000 खिलाड़ी हिस्सेदारी करेंगे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक तनूजा सलाम और उप संचालक रश्मि ठाकुर सहित आयोजन से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां एवं विभागीय अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

जिले के युवाओं के लिए सुनहरा मौका

अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर भर्ती शुरू, 1 अप्रैल तक करें आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। जिले के युवाओं के लिए देश सेवा का एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से शुरू होकर 01 अप्रैल 2026 तक जारी है। यह योजना युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्र सेवा का अवसर प्रदान करती है, साथ ही उन्हें अनुशासन, आधुनिक कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाती है।

रायपुर सेना भर्ती कार्यालय की पहल, अभियान तेज इस भर्ती प्रक्रिया का संचालन सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा किया जा रहा है। कर्नल अरुण कालिया के नेतृत्व में राज्यभर में भर्ती प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान भर्ती के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला शिक्षा एवं रोजगार विभागों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा इस अवसर का लाभ उठा सकें। 4 साल की सेवा और उज्ज्वल भविष्य अग्निपथ योजना टूर ऑफ ड्यूटी आधारित भर्ती प्रणाली है, जिसके तहत चयनित युवाओं को 4 वर्षों तक सेना में सेवा का अवसर मिलेगा। इस दौरान उन्हें आधुनिक सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन और नेतृत्व कौशल का विकास करने का मौका मिलेगा, जो भविष्य में रोजगार के नए द्वार खोलता है। चयन प्रक्रिया आयु सीमा: 17.5 वर्ष से 21-22 वर्ष शैक्षणिक योग्यता: 10वीं से 12वीं (विज्ञान सहित) पद: जनरल ड्यूटी, टेक्निकल, क्लर्क, ट्रेड्समैन महिला भर्ती: महिला सैन्य पुलिस के तहत अवसर उपलब्ध शारीरिक मापदंड पुरुष: लगभग 170 सेमी ऊंचाई (वर्ग अनुसार छूट) महिला: लगभग 162 सेमी ऊंचाई ऑनलाइन पंजीकरण एवं कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) फिजिकल टेस्ट, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल जांच मेरिट के आधार पर अंतिम चयन कैसे करें आवेदन इच्छुक उम्मीदवार 01 अप्रैल 2026 तक भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

राधिका मदान ने इरफान खान को किया याद

बोलीं - 'उन्होंने मुझे एक कलाकार और महिला के रूप में सशक्त ...'

राधिका मदान ने फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में इरफान के साथ काम किया था। हाल ही में राधिका ने इरफान के साथ अपने काम करने का अनुभव शेयर किया है। राधिका मदान को अभी फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के साथ काम करने के लिए बहुत तारीफ मिल रही है। हाल ही में उन्होंने अपनी पुरानी फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में इरफान खान के साथ काम करने का अपना अनुभव याद किया।

इरफान के साथ काम करने का अनुभव

राधिका ने बताया कि इरफान खान ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने उन्हें एक अच्छी अभिनेत्री और एक महिला के रूप में सम्मान दिया। सेट पर उन्होंने राधिका के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार किया। राधिका ने कहा, 'उस समय मैं बिल्कुल नई थी और इरफान खान बहुत बड़े स्टार थे। लेकिन फिर भी उन्होंने मुझसे सीन के बारे में मेरी राय पूछी। उन्होंने मेरी सहज सोच पर भरोसा किया, मेरा बहुत सम्मान किया और मुझे बराबरी का साथी माना।'

इरफान की बातों से राधिका को मिली हिम्मत

राधिका ने आगे कहा कि इरफान के लिए यह शायद आम बात थी, लेकिन एक युवा लड़की के लिए यह बहुत बड़ी बात थी। इससे उन्हें खुद पर भरोसा हुआ और वे खुद को योग्य समझने लगीं। इस अनुभव ने उनके लिए एक अच्छा उदाहरण बनाया कि आगे कैसे काम करना है।

फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम'

फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' 2020 में रिलीज हुई थी। इसे होमी अदजानिया ने बनाया था। यह कहानी एक पिता और बेटी के रिश्ते की है, जिसमें पिता अपनी बेटी के विदेश पढ़ने के सपने को पूरा करने की पूरी कोशिश करता है। फिल्म में डिंपल कपाड़िया, पंकज त्रिपाठी, दीपक डोबरियाल और रणवीर शौरी जैसे कलाकार भी हैं।

'सूबेदार' में नजर आ रही हैं राधिका

फिल्म 'सूबेदार' हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेनी ने किया है। इस फिल्म में अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं। अनिल के साथ राधिका मदान, खुशबू सुंदर, सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल , मोना सिंह जैसे कलाकार हैं।

नयनतारा पर टिप्पणी करने पर बुरे फंसे शनमुगम

साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने लिखा पत्र; की माफी की मांग

दक्षिण भारतीय फिल्म आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने सांसद सी.वी. शनमुगम को एक पत्र लिखा है। यह पत्र अभिनेत्री नयनतारा के बारे में उनके हाल के बयान को लेकर है।

सांसद सी. वी. शनमुगम ने हाल ही में साउथ अभिनेत्री नयनतारा पर आपत्तिजनक और महिला-विरोधी टिप्पणी की थी। जिसे लेकर साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने एक पत्र सी.वी. शनमुगम के नाम पर लिखा है। उन्होंने शनमुगम से नयनतारा पर किए गए हालिया भाषण पर माफी की मांग की है।

साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने लिखा पत्र

साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने सांसद सी.वी. शनमुगम के नाम पर एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा, 'हमें आपके हाल के भाषण का एक बहुत ही अपमानजनक और शर्मनाक वीडियो मिला है। आपने संसद की गरिमा को पूरी तरह भुला दिया और एक सार्वजनिक जगह पर बहुत गंदी-बुरे शब्दों में बात की। इसमें आपने हमारी साथी अभिनेत्री नयनतारा को भी बिना वजह घसीटा। क्या आपकी पार्टी या विचारधारा आपको ऐसे शब्द सिखाती है?

पत्र में आगे लिखा, 'क्या आपके नेता आपको ऐसे बोलने के लिए कहते हैं, या वे इस तरह की बातों का समर्थन करते हैं? आप अभी भी लोगों द्वारा चुने हुए सांसद हैं, इसलिए हम, फिल्म इंडस्ट्री के सभी लोग आपसे इस पर माफी की मांग करते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि आप भविष्य में हमारे इंडस्ट्री की महिलाओं के बारे में कभी भी अपमानजनक या बुरी बातें न बोलें।'

हाल ही में सांसद सी.वी. शनमुगम ने डीएमके सरकार और मुख्यमंत्री स्टालिन पर तंज कसते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति नयनतारा से शादी करने का सपना देखता है, तो क्या सरकार उस सपने को पूरा कर देगी? यह टिप्पणी महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक बताई जा रही है। डीएमके समेत कई अन्य राजनीतिक दलों ने इसकी कड़ी निंदा की है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सांसद को खूब आलोचना की और बुरी-भली सुनाई। हालांकि, नयनतारा ने अभी तक इस टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं 'सरके चुनर' गाने वाली सिंगर, क्या गीतकार रकीब आलम का 'डबल मीनिंग' गानों से है पुराना नाता?

संजय दत्त और नोरा फतेही की अदाकारी वाला गाना 'सरके चुनर' विवादों में आ गया है। आइए जानते हैं इस गाने को किसने लिखा है और इसे किसने आवाज दी है। संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'केडी: द डेविल' का गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' विवादों में आ गया है। इस गाने पर नोरा फतेही और संजय दत्त ने डांस किया है।

इस गाने पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। ऐसे में मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। इस गाने के रिलीज होने के बाद यूजर्स ने गाने की आलोचना की है। ऐसे में जानते हैं गाने के पीछे कौन लोग हैं?

कौन हैं गाने के लेखक और सिंगर?

'सरके चुनर तेरी सरके' गाने के हिंदी बोल किसी साधारण इंसान ने नहीं बल्कि उन्होंने लिखे हैं, जिनके गानों से सजी फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' को ऑस्कर मिल चुका है। ये गीतकार रकीब आलम हैं। इस गाने को मशहूर गायिका मंगली ने गाया है।

गाना नहीं लिखना चाहते थे रकीब

रकीब आलम के लिखे गाने 'सरके चुनर' पर विवाद होने के बाद उन्होंने कहा है कि वह यह गाना नहीं लिखना चाहते थे, लेकिन डायरेक्टर के कहने पर कन्नड़ भाषा के गाने को वर्ड-टू-वर्ड ट्रांसलेट कर दिया। रकीब आलम हिंदी सिनेमा के जाने-माने गीतकार हैं। उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए गाने लिखे हैं। हालांकि अभी तक यह बात साफ नहीं हुई है कि गाने के कन्नड़ बोल किसने लिखे थे।

क्या बोल्ड होते हैं रकीब के लिखे गाने?

रकीब आलम का यह पहला गाना नहीं जिसके बोल काफी बोल्ड हैं। उन्होंने फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' का मशहूर गाना 'रिंग-रिंग रिंगा' लिखा था। इस गाने के बोल, जो काफी बोल्ड हैं, वह कुछ इस तरह हैं 'खटिए पे मैं पड़ी थी और गहरी नींद बड़ी थी, आगे क्या मैं कहूं सखी रे, एक खटमल था सयाना, मुझपर था उसका निशाना, चुनरी में घुस गया धीरे-धीरे...।' हालांकि इस गाने पर विवाद नहीं हुआ था।

विवादों में घिरा पहला गाना

'सरके चुनर' गाने को सिंगर सत्यवती राठौड़ उर्फ मंगली ने गाया है। मंगली तेलंगाना की मशहूर लोक गायिका हैं। वह तमिल, तेलुगू और दूसरी भाषाओं में गाना गाती हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था। उनका हिंदी का पहला गाना ही विवादों में आ गया है। उन्होंने इसी फिल्म का तेलुगू वर्जन गाना भी गाया है।

दिल्ली में होगा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज, दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को किया जाएगा सम्मानित

जल्द ही दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल शुरू होगा। इस फिल्म फेस्टिवल में देश और दुनिया भर की उम्दा फिल्में दिखाई जाएंगी। साथ ही अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित भी किया जाएगा।

सिनेमा के कलाकारों को किया जाएगा सम्मानित

इस फिल्म फेस्टिवल में सिनेमा से जुड़े लोगों और कलाकारों के योगदान को सराहा जाएगा। साथ ही कई कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान देने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

शर्मिला टैगोर ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया

शर्मिला टैगोर ने भी दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किए जाने की बात पर आभार व्यक्त किया है। वह कहते हैं, 'फिल्म फेस्टिवल ऐसे मंच होते हैं, जहां दुनिया भर के सिनेमा को एक छत के नीचे जगह मिलती है। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली का हिस्सा बनकर खुश हूं। इस सम्मान के लिए मैं आभारी हूं। मैं इस फेस्टिवल में शामिल होकर अलग-अलग कहानियों को सेलिब्रेट करने के लिए उत्साहित हूं।'

शर्मिला टैगोर के करियर की बात करें तो उन्होंने हिंदी और बंगाली सिनेमा में उम्दा फिल्में की हैं। उनके अभिनय विरासत को बेटे सैफअली खान और बेटी सोहा अली खान ने आगे बढ़ाया है।

कब शादी कर रही हैं श्रद्धा कपूर?

मौसी तेजस्विनी कोल्हापुरे ने खोला राज.....

श्रद्धा कपूर की मौसी तेजस्विनी कोल्हापुरे ने राहुल मोदी के साथ शादी की अफवाहों पर अपनी राय पेश की है। तो क्या जल्द शादी करने वाली हैं श्रद्धा कपूर? श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के कथित रिलेशनशिप और शादी की खबरें इन दिनों काफी चर्चा में हैं। फैंस इस जोड़े की शादी की खुशखबरी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच श्रद्धा की मौसी तेजस्विनी कोल्हापुरे ने श्रद्धा की शादी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

श्रद्धा की शादी को लेकर क्या बोलीं तेजस्विनी?

फ्री प्रेस जर्नल से बातचीत के दौरान हाल ही में जब तेजस्विनी कोल्हापुरे से श्रद्धा की राहुल से शादी की अफवाहों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें बिल्कुल जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धा परिवार की विरासत को बहुत अच्छे से आगे बढ़ा रही हैं, जिससे पूरा परिवार खुश है। पहले पद्मिनी कोल्हापुरे थीं और अब श्रद्धा ने नाम को नई ऊंचाई दी है।

श्रद्धा का वायरल वीडियो

श्रद्धा ने अपने और राहुल मोदी के रिश्ते की पुष्टि एक बहुत प्यारे वीडियो से की थी। सितंबर 2025 में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें राहुल उनके चेहरे पर कैमरा जूम इन-आउट कर रहे थे। श्यह वीडियो देखकर फैंस बहुत खुश हुए, क्योंकि इससे उनके रिलेशनशिप की अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा। इस वीडियो पर फैंस ने कई रिएक्शन भी दिए। एक फैन ने श्रद्धा से इंस्टाग्राम पर पूछा, 'शादी कब करोगी?' तो श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'मैं करूंगी, विवाह करूंगी।'

कब शुरू की श्रद्धा और राहुल ने डेटिंग?

श्रद्धा और राहुल दोनों ने 2024 की शुरुआत में डेटिंग शुरू की, जब उन्हें मुंबई में डिनर डेट पर साथ देखा गया। हालांकि, श्र्द्धा और राहुल की तरफ से अभी तक शादी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डेस्क जॉब कर रहे हैं? इन 5 आम स्वास्थ्य खतरों के बारे में जरूर जानें

डेस्क जॉब करने वाले लोगों को अक्सर यह लगता है कि उनका काम आरामदायक है, लेकिन इसके कई स्वास्थ्य खतरे भी हो सकते हैं। लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करने से कई समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि पीठ दर्द, गर्दन दर्द और आंखों की समस्याएं। इस लेख में हम उन 5 स्वास्थ्य खतरों के बारे में जानेंगे, जो डेस्क जॉब करने पर हो सकते हैं और उनसे बचने के उपाय भी जानेंगे।

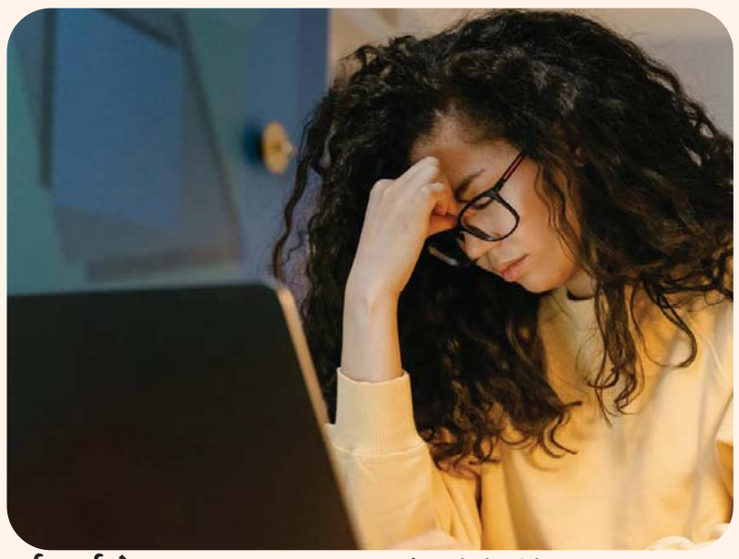

पीठ दर्द होना

डेस्क पर लंबे समय तक बैठकर काम करने से पीठ दर्द होना एक आम समस्या है। गलत तरीके से बैठने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है, जिससे दर्द और असुविधा हो सकती है। इससे बचने के लिए अपनी कुर्सी की ऊंचाई और झुकाव को सही तरीके से सेट करें। इसके अलावा नियमित रूप से खिंचाव की कसरत करें और बीच-बीच में थोड़ी देर के लिए खड़े होकर चलें।

गर्दन दर्द होना

लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन देखने से गर्दन में दर्द और अकड़न हो सकती है। यह समस्या खासकर तब होती है जब स्क्रीन बहुत नीचे या ऊपर हो। इससे बचने के लिए स्क्रीन को आंखों के स्तर तक सेट करें ताकि आपको गर्दन को ऊपर या नीचे झुकाना न पड़े। इसके अलावा अपने काम के बीच में कुछ मिनट के लिए ब्रेक लें और गर्दन को हल्के हाथों से खींचें।

आंखों की समस्याएं होना

कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार देखने से आंखों में सूजन, जलन और धुंधला दृष्टि जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचने के लिए 20-20-20 नियम अपनाएं, यानी हर 20 मिनट बाद 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखें। इसके अलावा स्क्रीन की रोशनी कम रखें और आंखों को आराम देने के लिए पलकों को कुछ सेकंड तक बंद रखें। अगर समस्या बनी रहती है तो आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें।

हाथों में दर्द या उनका सुन्न होना

कंप्यूटर पर टाइपिंग करते समय हाथों की नसें दब सकती हैं, जिससे हाथों में दर्द या सुन्नपन हो सकता है। इससे बचने के लिए अपनी कीबोर्ड पोजीशन को सही रखें और बीच-बीच में हाथों को खींचें। इसके अलावा कीबोर्ड पर टाइप करते समय सही फिंगर पोजीशन अपनाएं और जरूरत पड़ने पर कीबोर्ड पैड का भी इस्तेमाल करें। अगर समस्या बनी रहती है तो डॉक्टर से संपर्क करें।

वजन बढ़ना

डेस्क जॉब करने वाले लोग अक्सर कम सक्रीय रहते हैं, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए नियमित रूप से व्यायाम करना जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट तक तेज चलना, दौड़ना या योग करना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा संतुलित आहार लें और जंक फूड से बचें। पानी अधिक पिएं और सोने से पहले मोबाइल फोन का उपयोग न करें। आप डेस्क पर बैठे-बैठे भी कुछ व्यायाम कर सकते हैं।

खास खबर

लोसपा संरक्षक रघु ठाकुर का 21 से 25 मार्च को छत्तीसगढ़ दौरा

रायपुर। वरिष्ठ समाजवादी नेता लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संरक्षक रघु ठाकुर जी 21 से 25 मार्च तक छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इस दौरान श्री ठाकुर 21 मार्च को दुर्ग जिले में एवं 22 मार्च को रायपुर राजधानी में आयोजित डॉ. राममनोहर लोहिया की हिमालय की नीति पर चर्चा विचारगोष्ठी का आयोजन एवं सहपुस्तक विमोचन का कार्यक्रम रघु ठाकुर की अध्यक्षता में एवं आमंत्रित अतिथि बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद, प्रोफेसर मनोज दयाल कुलपति कुशाभाऊ ठाकुर पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर, जगदीश उपासने पूर्व कुलपति माखन लाल चतुर्वेदी, संजय अलंग पूर्व संभागायुक्त के आतिथ्य में हो रहा है। जिसका संचालन जयंत तोमर करेंगे। 23 मार्च को नगरी धमतरी जिले में डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती धमतरी जिले के साथियों के द्वारा मनाया जाएगा जिसमें साथी रघु ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। 24 मार्च को साथी रघु ठाकुर बिलासपुर और चांपा जिले के दौरे पर रहेंगे। 25 मार्च को दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। उक्त जानकारी प्रदेश अध्यक्ष अशोक पंडा ने दी।

दूरस्थ निर्मलगुड़ा में जिला प्रशासन की पहल

सुकमा। सुकमा जिले के दूरस्थ अंचलों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में कोंटा विकासखंड के ग्राम पंचायत निर्मलगुड़ा (स्कूल पारा) में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसने ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की। शिविर के दौरान स्वास्थ्य अमले ने घर-घर सर्वे कर ग्रामीणों का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन (एचबी) परीक्षण किया। साथ ही टीबी, कुष्ठ (लेप्रोसी) और मोतियाबिंद जैसे गंभीर रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर आवश्यक जानकारी एकत्र की गई। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कोंटा, डॉ. दीपेश चंद्राकर के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया।

मलेरिया के खिलाफ जंग तेज

बीजापुर। वार्षिक मूल्यांकन के तहत एसबीआई फाउंडेशन की सहायक प्रबंधक ईशा अग्रवाल ने एसबीआई संजीवनी मोबाइल मेडिकल यूनिट के बीजापुर क्लस्टर का महत्वपूर्ण दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संतोषपुर एवं गोरना ग्रामों में फील्ड विजिट कर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं गतिविधियों का गहन निरीक्षण किया। दौरे के दौरान अग्रवाल ने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन किया। केस स्टडी से जुड़े लाभार्थियों द्वारा दिए गए सकारात्मक फीडबैक ने इस पहल की उपयोगिता और प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। विशेष मलेरिया रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख भूपेश वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए सामुदायिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

छत्तीसगढ़ के बजट 2026-27 से किसानों, महिलाओं के उत्थान और अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई गति : ओपी चौधरी

- संकल्प से संवरेगा विकसित छत्तीसगढ़: वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी
- छत्तीसगढ़ विधानसभा में 1.87 लाख करोड़ का विनियोग विधेयक पारित
- कृषक उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान
- महतारी वंदन योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने छत्तीसगढ़ सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक लाख 87 हजार 500 करोड़ रुपये का व्यापक और जनोन्मुखी विनियोग विधेयक प्रस्तुत करते हुए राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत खाका सामने रखा है। विधानसभा में विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट राज्य के 3 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य समावेशी विकास, आर्थिक सुदृढ़ता तथा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तैयार इस बजट को सरकार ने संकल्प आधारित बजट बताया है, जो राज्य को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सदन को जानकारी दी कि प्रस्तुत विनियोग विधेयक कुल विनियोग 1 लाख 87 हजार 500 करोड़ रुपये का है, जिसमें ऋणों का पुनर्भुगतान एवं अन्य समायोजन शामिल हैं। शुद्ध बजट आकार 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। कुल प्राप्तियां भी इसी के अनुरूप 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये आंकी गई हैं, जिनमें से 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये राजस्व प्राप्तियां तथा 29 हजार करोड़ रुपये पूंजीगत प्राप्तियां हैं।

व्यय पर दृष्टि डालें तो राजस्व व्यय 1 लाख 45 हजार करोड़ रुपये तथा पूंजीगत व्यय 27 हजार करोड़ रुपये प्रस्तावित है। राज्य का राजस्व घाटा मात्र 2 हजार करोड़ रुपये तथा शुद्ध राजकोषीय घाटा 20 हजार 400 करोड़ रुपये (जीएसडीपी का 2.87 प्रतिशत) अनुमानित है, जो राज्य के वित्तीय अनुशासन और संतुलित प्रबंधन को दर्शाता है।

वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि यह बजट संकल्प (समावेशी विकास, अधोसंरचना, निवेश, कुशल मानव संसाधन, अंत्योदय, लाइवलीहुड और पॉलिसी) के सात स्तंभों पर टिका है। इस विजन को साकार करने के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से 5 नए मिशन शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री एआई मिशन के लिए 100 करोड़ रुपये (तकनीक के विस्तार हेतु), मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन हेतु 100 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन के लिए 100 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन के लिए 100 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री स्टार्ट-अप एवं निपुन मिशन हेतु 100 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

वित्त मंत्री ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2025-26 में राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 8.11 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 7.4 प्रतिशत से अधिक है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में संतुलित वृद्धि राज्य की मजबूत आर्थिक नींव को इंगित करती है। कृषि क्षेत्र में 7.49 प्रतिशत, उद्योग में 7.21 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 9.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपये हो गई है, जिसमें 10.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि राज्य की आर्थिक गतिविधियों में तेजी और नागरिकों की आय में सुधार का संकेत है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में कृषि एवं किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। कृषक उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो इस बजट का सबसे बड़ा मद है। राज्य सरकार द्वारा किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और अब तक लगभग 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जा चुका है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हुई है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार ने फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए मक्का, कोदो-कुटकी, रागी एवं कपास जैसी फसलों को भी योजना में शामिल किया है। इसके साथ ही कृषि पंपों के लिए निःशुल्क विद्युत आपूर्ति हेतु 5,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे खेती की लागत में कमी आएगी।

मंत्री चौधरी ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राज्य की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना के प्रभावी संचालन के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित कर महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण आहार, महिला एवं बाल विकास योजनाओं के लिए भी पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया गया है।

टीबी मरीजों के लिए पोषण किट बनी संजीवनी, उपचार में मिल रही नई मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों के समुचित उपचार एवं पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजकिशोर नगर में पोषण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर 12 टीबी मरीजों को एसईसीएल कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रोटीन युक्त पोषण किट प्रदान किए गए।

सीएमएचओ डॉ शुभा गरेवाल ने बताया कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी में दवाइयों के साथ पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक होता है। पोषण किट मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती है, जिससे उपचार की प्रभावशीलता बढ़ती है और मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना भी मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों में कुपोषण एक बड़ी चुनौती है, जिसे दूर करने में इस प्रकार की पहल अहम भूमिका निभा रही है। एसीसीएल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (ष्टस्क्र) के तहत किया गया यह सहयोग मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने मरीजों को नियमित दवा सेवन, संतुलित आहार और स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और संस्थाओं के सहयोग से ही टीबी मुक्त समाज के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

ईको-पर्यटन का नया केंद्र बन रहा धमनी गांव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रकृति के करीब, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना और स्थानीय संस्कृति व वन्यजीवों का सम्मान करते हुए की जाने वाली यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्यजीव का संरक्षण, शिक्षा और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाना ही ईको-पर्यटन है।

बलौदाबाजार वनमण्डल के अंतर्गत महानदी के तट पर स्थित ग्राम धमनी अब तेजी से ईको-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के सहयोग से यहां ईको-विलेज के रूप में विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पर्यटकों के लिए नौकाविहार (बोटिंग) सुविधा शुरू की गई है। अब यहां आने वाले पर्यटक प्राकृतिक वातावरण के बीच नदी में नौकायन का आनंद ले सकेंगे।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। परियोजना के तहत गांव के युवाओं और महिला स्व- सहायता समूहों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों की सुविधा के लिए ठहरने की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है, ताकि लोग प्रकृति के करीब रहकर शांत वातावरण का अनुभव कर सकें।

वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने बताया कि यह पहल जनसहभागिता से संचालित हो रही है, जो वन संरक्षण और ग्रामीण विकास का अच्छा उदाहरण है। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी- कर्मचारी और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वन विभाग का लक्ष्य है कि आने वाले समय में धमनी को प्रदेश के प्रमुख ईको-टूरिज्म स्थलों में शामिल किया जाए।

पुराना महापौर बंगला बनेगा ईडी का दफ्तर, एमआईसी ने दी मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अब प्रवर्तन निदेशालय पुराना महापौर बंगला बनेगा ईडी का दफ्तर, नगर निगम की एमआईसी ने दी मंजूरी) का पता बदलने वाला है। शहर के सुभाष स्टेडियम के पास स्थित पुराना महापौर बंगला अब श्वष्ठ का दफ्तर बनेगा।

दरअसल ईडी ने अपने रीजनल ऑफिस के लिए करीब 4000 स्क्वायर फीट जगह मांगी थी। इसके बाद नगर निगम की स्नढ्ढष्ट बैठक में खाली पड़े पुराने महापौर बंगले को ईडी को देने का फैसला लिया गया।

पुराना महापौर बंगला काफी समय से खाली पड़ा है, लेकिन अब इसमें रौनक लौटेगी। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के लिए भी एमआईसी की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। कोटा मुक्तिधाम के सामने बने सामुदायिक भवन को अस्थायी ऑफिस के तौर पर देने की मंजूरी दी गई है।

महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शहर के प्रशासनिक कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। अब साफहै कि रायपुर में जांच एजेंसियों और प्रशासन की पकड़ और मजबूत होने जा रही है। इस मामले में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि एमआईसी की बैठक में चर्चा हुई है। सुभाष स्टेडियम के पास स्थित पुराने महापौर बंगले को अब ईडी दफ्तर के लिए दिया जाएगा। महापौर मीनल चौबे ने बताया कि ईडी का नया कार्यालय नया रायपुर में बन रहा है।

सुभाष स्टेडियम के फर्स्ट फ्लोर में जो ईडी ऑफिस है वह छोटा हो रहा है, जिसके चलते पानी टंकी के नीचे वाला सरकारी मेयर हाउस कुछ दिन के लिए ईडी को दिया जा रहा है. जैसे ही नया रायपुर में ईडी का कार्यालय पूरी तरीके से तैयार हो जाएगा तब ईडी ऑफिस वहां शिफ्ट हो जाएगा. तब तक के लिए यह बंगला उन्हें दिया जा रहा है. एमआईसी की बैठक में भी इसकी चर्चा हुई थी।

कुपोषण मुक्त बीजापुर की ओर एक मजबूत कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण मुक्त बीजापुर के संकल्प को साकार करने हेतु एक भव्य जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीजापुर मुख्यालय स्थित तेंदूपत्ता हॉल में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 के संबंध में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके वैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर समस्या के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना था। इस अवसर पर विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों ने महिलाओं को पोषण आहार, संतुलित खान-पान तथा बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

कार्यक्रम में कुपोषण के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि सही पोषण, समय पर टीकाकरण एवं स्वच्छता अपनाकर इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्रों से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ी रंग, भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम

आरु साहू के छत्तीसगढ़ी गीतों से लोकरंग से सराबोर हुआ महोत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। भोरमदेव महोत्सव की संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ की लोक और शास्त्रीय संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। पूरे कार्यक्रम में गीत, संगीत और नृत्य का खास माहौल रहा, जिससे वातावरण खुशहाल और जीवंत हो गया। प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय और अन्य जिलों से आए कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। लोकगीत, भजन और पारंपरिक नृत्य ने दर्शकों का खूब मन मोहा। दर्शक देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे और तालियों की गूंज से पूरा महोत्सव परिसर गूंजता रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध जगराता एवं लोकगायक दिलीप षडंगी, जिन्होंने अपनी दमदार आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जांजगीर के चंदवा बैगाज, हर हर हर भोला गुरु महादेवज आमा पान के पतरी अऊ करेला पान के दोना... और लाली लाली चुनरी ओढ़े दाई मोरज जैसे भक्ति गीतों से उन्होंने पूरे माहौल को श्रद्धा से भर दिया। वहीं बोरे बासी संग म खवाहुज, छुनूर छुनूर पैरी बाजे रे गोरीज जैसे छत्तीसगढ़ी गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी प्रस्तुति में भक्ति, लोक और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। उनकी शानदार प्रस्तुति ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर रात तक झूमते नजर आए।

आरु साहू के गीतों से महोत्सव परिसर हुआ छत्तीसगढ़ी लोकरंग से हुआ सराबोर

भोरमदेव महोत्सव की संस्कृति संध्या में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का शानदार रंग देखने को मिला, जब लोकप्रिय लोकगायिका आरु साहू ने अपने सुमधुर स्वर में एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह जीवंत कर दिया और दर्शक देर रात तक झूमते रहे। उन्होंने मैया झुप-झूप महुला नचाई रे... से शुरुआत कर उत्साह का माहौल बनाया, वहीं हर घर में एक ही नारा गूंजेगा... और सुआ गीत तरी हरि नाना... जैसे गीतों ने दर्शकों में जोश भर दिया। सावन म शिव जी ला मानबो... ने भक्ति का रंग घोला, जबकि जब खेलव दुलरवा रनभन रनभन ओ... और झूपत झूपत आबे दाई... जैसे गीतों ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

लोकनृत्य से लेकर शास्त्रीय कला विधाओं की हुई प्रस्तुति: भोरमदेव महोत्सव में ग्राम बरपानी के मोहन ने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय का पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस लोकनृत्य ने आदिवासी संस्कृति की झलक पेश करते हुए दर्शकों की आकर्षक का केंद्र रहा। कवर्धा और बोड़ला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने रामेश्वरम दर्शन एवं नरसिंह अवतार पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। छात्राओं की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। शास्त्रीय नृत्य की कड़ी में रायपुर की अक्षिता दुबे और कवर्धा की दुर्गेश्वरी चंद्रवंशी ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को प्रभावित किया। उनके सधे हुए कदम और आकर्षक मुद्राओं ने खूब तालियां बटोरीं। इसी क्रम में बिलासपुर के युवराज सिंह लोनिया ने सुमधुर भजन प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। वहीं अध्या पांडे ने भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति देकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मोहम्मद असन की वाद्य प्रस्तुति ने भी दर्शकों को खासा प्रभावित किया। उनकी धुनों पर दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही कौशल साहू (लक्ष्य), रिंती लाल, मोहम्मद अनस, पितेलाल पटेल, धनीदास मानिकपुरी और पवन चेलक ने भी प्रस्तुति दी।

पानी, सफाई और सड़क के लिए 195 करोड़ की मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को नई रफ्तार मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग के तहत करीब 195 करोड़ रुपए जारी किए हैं, जिससे पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों को तेज़ी मिलेगी और शहरी जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलेगा।

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी 194 करोड़ 93 लाख रुपए की यह राशि राज्य के 139 नगरीय निकायों में खर्च की जाएगी। इसमें 116 करोड़ 96 लाख रुपए टाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों में होगा। इससे शहरों में साफ-सफाई व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी।

वहीं 77 करोड़ 97 लाख रुपए अनटाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग सड़क, नाली और अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास में किया जाएगा। इससे शहरों में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता सुधरेगी और नागरिकों को रोजमर्रा की सुविधाओं में राहत मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इस पहल को शहरों के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर शहरी क्षेत्रों को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार संसाधन उपलब्ध करा रही हैं, जिससे विकास कार्यों में गति आई है। यह वित्तीय मदद सिर्फ बजट नहीं, बल्कि शहरों के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक मजबूत पहल है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि इन संसाधनों का उपयोग कितनी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ जमीन पर दिखाई देता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला व 9 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत

कोरबा। जिले के कटघोरा थाना अंतर्गत जटगा चैकी क्षेत्र के रावा मुख्य मार्ग पर बीती रात एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा हुआ है। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला और 9 वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही वीभत्स मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों के सिर के परखच्चे उड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार, मृतिकाएं ग्राम बरीउमराव की रहने वाली थीं। वे एक चैथिया बारात से वापस अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रावा मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद बाइक चला रहा युवक बुरी तरह घबरा गया और गाड़ी छोड़कर मौके से भाग खड़ा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अज्ञात भारी वाहन का पहिया महिला और बच्ची के सिर पर चढ़ गया, जिससे उनका सिर पूरी तरह चकनाचूर हो गया। अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। जटगा पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोटपा एक्टः 15 पान ठेलों पर चालानी कार्रवाई हुई

रायगढ़। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुधवार को शहर के सिग्नल चौक और मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में व्यापक जांच और चालानी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पान ठेलों और तंबाकू विक्रेताओं की सघन जांच की गई। इस दौरान कई दुकानों में कोटपा एक्ट 2003 के नियमों का उल्लंघन पाया गया। संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 15 पान ठेलों पर कुल 2450 रुपए का जुर्माना वसूला। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर बिना चेतावनी के तंबाकू और सिगरेट की बिक्री करना व अनिवार्य सूचना बोर्ड नहीं लगाना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में आगे भी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान कई पान ठेलों में चेतावनी बोर्ड भी वितरित किए गए और भविष्य में नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

बैंक के बाहर खड़े अधिवक्ता के वाहन की डिक्की से नकदी पार

कोरबा। जिले के कटघोरा नगर के भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। दिनदहाड़े एक अधिवक्ता के बाइक की डिक्की से अज्ञात चोरों ने पलक झपकते ही नकदी पार कर दी। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो बाइक सवार नकाबपोश चोरों को वारदात अंजाम देते देखा जा सकते हैं। पीड़ित अधिवक्ता बैंक ऑफ बड़ौदा से पैसे निकालकर बाहर आए थे और उन्होंने राशि बाइक की डिक्की में रखी थी। जैसे ही अधिवक्ता की नजर महज कुछ सेकंड के लिए बाइक से हटी, घात लगाकर बैठे चोरों ने हाथ साफ कर दिया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आम जनता और बैंक आने-जाने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।

ट्रैक्टर से टकराकर पलटी स्कूल वैन, कई बच्चे और शिक्षिका घायल

जांजगीर-चांपा। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकराने के बाद एक स्कूल वैन पलट गई। इस दुर्घटना में वैन में सवार कई स्कूली बच्चे और एक महिला शिक्षिका घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कई बच्चों के सिर में चोट आई है, जबकि कुछ के हाथ-पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक, नियमित ड्राइवर के अनुपस्थित रहने के कारण स्कूल के प्रिंसिपल स्वयं वैन चला रहे थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

तंत्र-मंत्र के चक्कर में खुद का काटा गला

बीड़ी पीकर पूजा-रूम में गया, बहू ने देखी लहूलुहान लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक शख्स ने तंत्र-मंत्र के चक्कर में चाकू से खुद का गला काट लिया। पूजा रूम में खून से लथपथ उसकी लाश देख बहू की चीखें निकल गई। 4 महीने पहले भी उसने अपना हाथ काटा था। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, ग्राम जोंधरा निवासी चंदन नट (45) भीख मांगकर अपने और परिवार का गुजर-बसर करता था। रोज की तरह वो मंगलवार को भीख मांगने निकला था। शाम करीब 6 बजे वह घर लौटा। इस दौरान अपने बड़े भाई के साथ बैठकर बीड़ी पीते हुए काफी देर तक बातचीत की। भाई के जाने के बाद वह अपने घर के अंदर पूजा कमरे में चला गया।

कमरे में बहू ने देखा- खून से लथपथ पड़ा था ससुर

इसके बाद शाम करीब 7 बजे चंदन की बहू किसी काम से घर के पूजा कमरे की ओर गई। इस दौरान अंदर कमरे में चंदन खून से लथपथ पड़ा था। उसे देखकर वो चीख पड़ी। बहू की आवाज सुन उसका बेटा सुल्तान और परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे।

इलाज के लिए लेकर गए अस्पताल, हो चुकी थी मौत

चंदन को घायल समझकर परिजन आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने इस घटना की जानकारी पचपेड़ी पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल बिलासपुर से डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया।

रात होने की वजह से शव को घटनास्थल पर ही रखवाया है। फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड की टीम ने बुधवार सुबह घटना की बारीकी से जांच की। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

रात में चाकू खरीदकर लाया था घर

इस मामले में मधुलिका सिंह एएसपी ग्रामीण का कहना है कि, चंदन अक्सर पूजा पाठ करता था। रात में वो चाकू खरीदकर घर लाया था। उसी चाकू से तंत्र-मंत्र के चक्कर में खुद का गला काट लिया। उसने 4 महीने पहले भी अपना हाथ काटकर खुदकुशी की कोशिश की थी।

कोरबा में बुजुर्ग की निकाली आंख आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के चैतमा चौकी अंतर्गत ग्राम बर्रा में मंगलवार देर रात एक बुजुर्ग पर धारदार हथियार से हमला किया गया। अज्ञात हमलावरों ने बुजुर्ग की एक आंख निकाल ली और मौके से फरार हो गए। बुजुर्ग को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हमलावरों ने 80 वर्षीय हीरा सिंह सरुता को निशाना बनाया। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

घर में सो रहा था बुजुर्ग

घटना मंगलवार रात करीब 11:30 बजे की है, जब ग्राम बर्रा निवासी हीरा सिंह सरुता अपने घर में सो रहा था। हमलावरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उनकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

इस घटना के बाद ग्रामीणों में 'बच्चा चोर गिरोह' के सक्रिय होने की अफवाहें फैल गई हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। ग्रामीणों में डर का माहौल है और वे रात में पहरा देने को मजबूर हैं।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

चैतमा चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी लेकर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

कोरबा में स्कूल की छात्राओं को छेड़ने वाले आरोपियों को मिली 3-3 वर्ष की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के दौरान रास्ते से गुजर रही छात्राओं को दौड़ा कर छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने वाले दो आरोपियों को न्यायालय ने कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है।

घटना दिनाँक 2 जुलाई 2025 की शाम करीब 4.30 बजे प्रार्थिया स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपनी दो पुत्रियों व उनकी दो सहेलियों के साथ घर लौट रही थी। इस दौरान पूर्वांचल भवन के पास शराब पी रहे रोशन दास महन्त व जावेद कुरैशी ने इन चारों छात्राओं पर गलत नीयत डाली और इन्हें दौड़ाया तथा पकड़कर कर अश्लील हरकतों को अंजाम दिया। स्थानीय युवक ने इन पीड़ितों को बचाया। मामले में मानिकपुर चैकी में आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने मामला विचारण हेतु न्यायालय में प्रस्तुत किया। उभयपक्षों की दलीलों को सुनने के उपरांत सजा सुनाई गई।

विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी रोशन दास महन्त पिता झाड़ूदास निवासी आरामशीन एवं जावेद कुरैशी पिता उस्मान कुरैशी निवासी कुआंभट्ठा,कोरबा को दोषसिद्ध पाया गया। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) एवं अपर सत्र न्यायाधीश सीमा प्रताप चन्द्रा ने रोशन दास को 3 धाराओं में दोषी पाया जबकि जावेद को दो धाराओं में दोषी पाते हुए सभी धाराओं में 3-3 वर्ष के कठोर कारावास,500-500 रुपये अर्थदण्ड और इसके व्यतिक्रम में 3-3 माह की सजा से दण्डित किया है।

विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने शासन की ओर से मजबूत पैरवी की जिससे आरोपियों पर दोष सिद्ध हुआ।

रायगढ़ में कुल्हाड़ी से पति ने पत्नी को मार-डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में खाने-पीने की बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। गुस्से में आकर पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

घटना 16 अप्रैल 2022 की है। अलफोन खलखो ने लैलूंगा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके ससुर अलवन तिग्गा (43), निवासी लमडांड नावामुड़ापारा, ने 15 अप्रैल 2022 की शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच उसकी सास ग्रेस तिग्गा के साथ खाने-पीने की बात पर विवाद किया।

विवाद बढ़ने पर अलवन तिग्गा ने घर में रखी कुल्हाड़ी से पत्नी के गले और छाती पर 3-4 वार कर दिए, जिससे ग्रेस तिग्गा गंभीर रूप से घायल हो गईं और खून से लथपथ हालत में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

गले और छाती पर गहरे घाव के निशान

घटना की जानकारी ग्रेस तिग्गा के भाई मनोज एक्का ने मोबाइल पर अलफोन खलखो को दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा, जहां उसने अपनी सास को घर के अंदर मृत अवस्था में पाया। उनके गले और छाती पर गहरे घाव के निशान थे।

धारा 302 के तहत पेश किया चालान

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत न्यायालय में चालान पेश किया।

अदालत का फैसला

अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद आरोपी अलवन तिग्गा को उसकी पत्नी ग्रेस तिग्गा की हत्या का दोषी पाया। न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। इस पूरे मामले की मामले में अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

चौकीदार की हत्या : पुलिस को सुनाई अपहरण की झूठी कहानी, गिरफ्तार

रायगढ़। तमनार थाना क्षेत्र के मिलूपारा में बिजली टावर के चौकीदार लखन उर्फ धरभईया चौधरी (46) की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जिस व्यक्ति ने खुद को घटना का चश्मदीद बताकर 4-5 हमलावरों द्वारा अपहरण की कहानी रची थी, असल में वही मुख्य आरोपी निकला। पुलिस ने आरोपी अजहर अली (63), निवासी ग्राम खम्हरिया को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 9 मार्च की रात की है। आरोपी अजहर अली ने कबूल किया कि उस रात खाना बनाने की बात को लेकर उसका लखन से विवाद हो गया था। अजहर ने पहले लखन के साथ मारपीट कर उसे जमीन पर गिरा दिया, फिर पास रखी टॉर्च से उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ वार किए। अंत में उसने लखन का गला दबाकर हत्या की।

खुद को निर्दोष साबित करने के लिए उसने बिजली टावर की रस्सी काट दी और पुलिस को यह झूठी कहानी सुनाई कि 4-5 लोग आए थे जिन्होंने लखन का अपहरण कर लिया और उस पर (अजहर) भी हमला किया, जिससे जान बचाकर वह जंगल की ओर भाग गया था। 10 मार्च की सुबह लखन का शव खेत की मेड़ पर मिला। पुलिस को घटनास्थल पर किसी बाहरी व्यक्ति के निशान नहीं मिले। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई और मृतक के मुंह में प्लास्टिक का टुकड़ा मिलने से मामला संदिग्ध हो गया।

थार खरीदने नाबालिग ने घर से चुराए 20 लाख के जेवरात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में थार गाड़ी खरीदने के लिए एक नाबालिग ने अपने ही घर में चोरी करवाई है। इसके लिए सेना के रिटायर्ड जवान के बेटे को उकसाया और खुद के घर से थोड़ा-थोड़ा कर करीब 15 तोला सोना पार करवा लिया। बाद में सोना नहीं लाने पर उसे मारपीट की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे। परिवार वालों को भनक लगी तब इस मामले का खुलासा हुआ। शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लड़कों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की और गहने बरामद किए। इस पूरे मामले में कुछ रसूखदार परिवारों के बच्चे भी शामिल हैं।

मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। बहतराई निवासी सुशील कुमार शर्मा भारतीय सेना से रिटायर्ड हैं, उन्होंने 14 मार्च को थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और नाबालिगों के साथ चोरी का सोना खरीदने वालों को भी पकड़ लिया। पुलिस ने सभी

के कब्जे से चोरी हुए सोने के जेवर बरामद कर लिए।

असली जेवर चुराए, दोस्तों ने पकड़ा दिया नकली सोना

सरकंडा टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि, जब सेना के रिटायर्ड जवान के बेटे से पूछताछ की गई, तब उसने बताया कि अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर से जेवर चुराकर बेचने और उससे थार खरीदने की योजना बनाई थी। योजना के तहत वह अपने घर से जेवर चोरी कर ले आया। वहीं, उसके दोस्तों ने भी जेवर लाने की बात कही, लेकिन उन्होंने असली की जगह नकली जेवर लाकर दे दिए। लड़के को इस बात की भनक तक नहीं लगी और सभी ने मिलकर उन जेवरों को बेचने की तैयारी कर ली।

पूछताछ में एक नाबालिग ने बताया कि सभी दोस्तों ने मिलकर थार खरीदने के लिए अपने-अपने घर से सोना चोरी करने की योजना बनाई। इस दौरान उन्होंने नकली सोना दिखाकर सुशील शर्मा के बेटे से असली सोना चोरी कराया।

सोना बेचकर मिले पैसे गाड़ी खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं थे, इसलिए उन्होंने रकम खर्च कर दी। पैसे खत्म होने पर वे फिर से सोना लाने का दबाव बनाने लगे और उसके साथ मारपीट भी की।

पुलिस ने एक-एक कर इस कांड से जुड़े लड़कों को पकड़कर पूछताछ की, तब पता चला कि कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले युवक को जेवर बेचने के लिए दिए। उसने गांधी चौक के पास रहने वाले एक ज्वेलरी व्यवसायी को जेवर बेच दिए। पहली बार में करीब चार लाख रुपए में कुछ जेवर बेचे गए। इसके बाद धीरे-धीरे अन्य जेवर भी बेचे गए। बताया जा रहा है कि इस काम में युवक के एक रिश्तेदार ने भी सहयोग किया। उसने नाबालिगों को झांसे में लेकर करीब 5 तोला से अधिक सोना कम दाम में खरीदा था। कुछ सोना गिरवी रखकर भी उन्होंने रुपए लिए थे। पुलिस ने मामले में महिला समेत दो अन्य खरीदारों को गिरफ्तार किया है। साथ ही करीब 15 लाख कीमती सोने-चांदी के गहनों को बरामद कर लिया है। इस मामले में नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

परिवार को गाली देने पर दो भाइयों ने मिलकर की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में शराब के नशे में परिवार को गाली देने पर दो भाइयों ने मिलकर युवक को पीट-पीटकर मार डाला। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों भाई फरार हो गए। दोनों तमिलनाडू भागने की फिराक एक भाई के ससुराल पहुंच गए। इससे पहले ही पुलिस को सूचना मिल गई और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। घटना सकरी थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, 14 मार्च को दोपहर संबलपुर निवासी सतीश कौशिक (27) की खून से लथपथ लाश मिली थी। उसके सिर और चेहरे पर जख्म के निशान मिले थे। जांच के दौरान संदेही के तौर पर उसके दोस्त राकेश कौशिक उर्फ छोटू और उसके भाई गणेश कौशिक का नाम सामने आया था। लेकिन, वारदात के बाद से दोनों फरार थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि,

सतीश अपने दोस्त राकेश कौशिक और उसके भाई गणेश कौशिक के साथ शराब पीने गया था। तीनों ने पहले सकरी शराब भट्टी से देशी शराब खरीदी, फिर संबलपुर के एक खेत में पीपल पेड़ के नीचे बैठकर पार्टी करने लगे।

इस दौरान सतीश ने नशे की हालत में गणेश और उसके परिवार को गाली दी, जिस पर उसे मना किया। फिर भी वो नहीं माना तब दोनों भाई भड़क गए। राकेश और गणेश ने मिलकर सतीश पर हाथ-मुक्का से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। मारपीट के दौरान सतीश का सिर पीपल के पेड़ की जड़ से टकरा गया, जिससे उसके सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

रिश्तेदार ने घर से भगाया तो बेलगहना में काटी रात

घटना के बाद वे अपने सगे चाचा के घर पहुंचे थे। जैसे ही उन्हें गांव में हत्या होने की सूचना मिली। उन्होंने दोनों को घर से भगा दिया। जैसे-तैसे दोनों भाई बेलगहना पहुंचे। यहां रात काटने के बाद एक भाई के ससुराल पहुंच गए। यहां से दोनों तमिलनाडू भागने की फिराक में थे।

ससुराल से भागने से पहले पकड़े गए दोनों भाई

हत्या के बाद दोनों आरोपी पकड़े जाने के डर से बेलगहना के मरही माता मंदिर की ओर भाग गए थे। वहां से लौटने के बाद वे अपने ससुराल ग्राम मेण्ड्रा पाड़ पहुंच गए। यहां से वो भागने की फिराक में थे। लेकिन, इससे पहले ही पुलिस को उनके छिने की भनक लग गई। लिहाजा, पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग
जिला- दुर्ग (छ.ग.)
(E-mail:- eetwrdrg@cgwrd.in, Govt. ID-eetwrdrg-wrd@cg.gov.in)
(टेलीफोन नं.- 0788-4036118)
आदेश क्रमांक 1457/व.ले.लि./2025-26 दुर्ग, दिनांक 16.03.26
सिस्टम निविदा क्र. 184826/(प्रथम आमंत्रण) निविदा सूचना क्र. 10/वलेलि/2025-26, दुर्ग दिनांक 03.02.2026 के माध्यम से मरोदा जलाशय क्रमांक 02 में भरदा कोनारी एकीकट से जल आपूर्ति के कार्य अन्तर्गत (डिजोजिट मद) ग्राम चंदखुरी में भरदा कोनारी एनीकट के समीप नवीन पम्प हाऊस हेतु नयी 33 के.व्ही. लाईन बिछाने का कार्य, 132/33 के.व्ही. पुलगांव सब स्टेशन से 33/6.6 के.व्ही. सब स्टेशन तक (आपूर्ति स्थापना परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य) कार्य की आमंत्रित निविदा में एक ही निविदाकार द्वारा भाग लिये जाने से एकल निविदा होने के कारण प्रतिस्पर्धा के अभाव में निरस्ती की जाती है.
जी- 252606483
(आशुतोष सारस्वत)
कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग
दुर्ग (छ.ग.)
जी-252607241/8

नशे में धुत रेलवे पुलिस जवान, यात्रियों से विवाद का आरोप

रायपुर। राजधानी रायपुर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां छत्तीसगढ़ रेलवे पुलिस (जीआरपी) का एक जवान कथित तौर पर नशे की हालत में नजर आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि यह मामला रायपुर रेलवे स्टेशन के बाहर का है। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी की हालत सामान्य नहीं दिख रही है और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नशे में होने के दौरान उसने यात्रियों से बहस शुरू कर दी, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। वायरल वीडियो के बाद संबंधित जवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

खास खबर

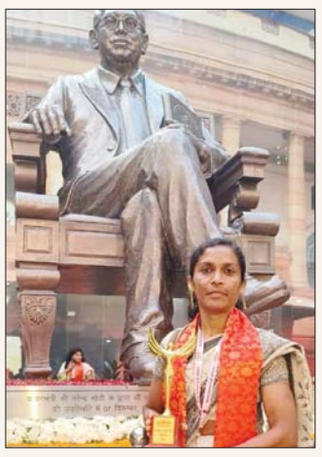

बस्तर की सरपंच जयंती कश्यप दिल्ली में हुई सम्मानित

जगदलपुर। बस्तर जिले के विकासखंड जगदलपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत आड़ावाल की सरपंच जयंती कश्यप ग्रामीण नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं। उत्कृष्ट कार्यों, स्वच्छता जागरूकता और सामाजिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। 11 मार्च 2026 को सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के तहत यूनिसेफ द्वारा उन्हें दिल्ली आमंत्रित किया गया, जहां केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंत्रालय में उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 12 सरपंच उपस्थित थे, लेकिन बस्तर की जमीनी स्तर पर सक्रिय और कर्मठ नेतृत्व के लिए जयंती कश्यप को विशेष रूप से सराहा गया। जयंती कश्यप पेयजल प्रबंधन, स्वच्छता और साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए काम कर रही हैं। निर्धन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने और जरूरतमंद लोगों को सामाजिक सहायता योजनाओं से जोड़ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पानी बचाओ अभियान के तहत वे ग्रामीणों को जल के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं। घरों के वेस्ट पानी का उपयोग किचन गार्डन में करना, वर्षा जल संचयन के लिए तालाब और डबरी निर्माण तथा भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सोखता गड्ढा बनाने जैसे कार्यों को वे गांव-गांव तक पहुंचा रही हैं। जयंती का मानना है कि जल संरक्षण केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव है।

रक्षक खुद बना भक्षक : बाघ और तेंदुओं का अवैध शिकार, वन विभाग के डिप्टी रेंजर सहित 9 गिरफ्तार

दंतेवाड़ा और बीजापुर अंचल में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, राज्य उड़नदस्ता की टीम ने निभाई अहम भूमिका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के तहत वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाघ और तेंदुए के अवैध शिकार में शामिल एक डिप्टी रेंजर सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दंतेवाड़ा और बीजापुर क्षेत्र के जंगलों में की गई।

वन विभाग को सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल में फंदे लगाकर वन्यजीवों का शिकार कर रहे हैं। इसके बाद विभाग और राज्य उड़नदस्ता टीम ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। लगातार निगरानी और जांच के दौरान एक संगठित शिकार गिरोह का खुलासा हुआ। जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि इस अवैध गतिविधि में वन विभाग का ही एक कर्मचारी, डिप्टी रेंजर देवी प्रसाद ओयाम भी शामिल था।

डिप्टी रेंजर श्री पोयाम की मिलीभगत के कारण शिकारियों को जंगल में प्रवेश और शिकार करने में मदद मिली। आरोपियों ने शिकार के लिए लोहे के तार के फंदों का उपयोग किया, जिनमें मांस लगाकर बाघ और तेंदुए को फंसाया गया। फंदे में फंसने के कारण दोनों वन्यप्राणियों की मौत हो गई।

वन्यजीवों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

वन्यजीवों की सुरक्षा राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वन्यजीवों का शिकार गंभीर अपराध है और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो। वन विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश गया है कि वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- केदार कश्यप
वन मंत्री, छत्तीसगढ़

बाघ और तेंदुआ अनुसूची-एक के तहत संरक्षित

बाघ और तेंदुआ दोनों ही अनुसूची-1 के तहत संरक्षित वन्यजीव हैं। इनका शिकार करना राष्ट्रीय अपराध की श्रेणी में आता है। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

- श्री रामकृष्णा
वनमंडलाधिकारी दंतेवाड़ा

बरामद बाघ की उम्र लगभग 3 वर्ष बताई गई है। आरोपी इनकी खाल को रायपुर ले जाकर बेचने की योजना बना रहे थे। इस पूरे मामले में वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया।

आरोपियों में शिकार के मुख्य आरोपियों में लक्ष्मण तेलाम, देवीराम ओयाम, रमेश कुड़ियाम, फरसोन पोयामी, सेमला रमेश, सुखराम पोडियाम और छत्रू कुड़ियाम शामिल हैं। पूछताछ के आधार पर ग्राम केशापुर में दबिश देकर तेंदुए की खाल बरामद की गई तथा मासो ओयाम और अर्जुन भोगामी को भी गिरफ्तार किया गया।

वनमंडलाधिकारी दंतेवाड़ा रामकृष्णा ने इस सफलता पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम को बधाई दी है और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मामले की विस्तृत जांच कर शीघ्र न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए प्रदेश में होगा अलग से संचालनालय का गठन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष में राज्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए प्रदेश में अलग से संचालनालय गठन, नवीन हॉस्टल भवन निर्माण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा सरकार पिछड़ा वर्ग समाज के विकास लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बड़ी संख्या निवास करती है, जिनमें लगभग 95 जातियां एवं उनके उपसमूह निवासरत है। सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक एवं सामाजिक आर्थिक विकास की चुनौतियों के प्रति संवेदनशील है।

नवीन हॉस्टल भवन, कौशल विकास सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई

सरकार ने पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, मंत्रालय गठित किया है ताकि इन वर्गों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के साथ-साथ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग भी गठित किया गया है। लौहशिल्प विकास बोर्ड, रजककार विकास बोर्ड तथा तेलघानी विकास बोर्ड भी गठित किया गया है।

नवीन मुख्य बजट में इन वर्गों के शैक्षणिक विकास हेतु छात्रावास, आश्रम, प्रयास आवासीय विद्यालय संस्थान स्थापित किये गये है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति को ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी के खाते में सीधे भुगतान किया जा रहा है। इस हेतु रुपये 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहायता की योजना मुख्य बजट में लाई गई है, जिसके माध्यम से इंजीनियरिंग, मेडिकल, यूपीएससी, सीजीपीएससी, एसएससी, रेल्वे, बैंकिंग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। विद्यार्थियों में राज्य की भौगोलिक एवं प्राकृतिक संरचनाओं के अध्ययन तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संबंध में अभिरुचि के विकास हेतु शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमने मुख्य बजट में मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना लाई गई है, जिसके माध्यम से जिन विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश नहीं मिल पाता है, उनको अध्ययन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए वर्तमान में 55 विभागीय छात्रावास स्वीकृत है। नवीन बजट में 06 जिलों (रायगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर, धमतरी, रायपुर, जशपुर) में अन्य पिछड़ा वर्ग पो. मैट्रिक छात्रावास स्वीकृत किये गये है।

बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, मुख्य सचिव विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी उपस्थित थे।

140 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शांति, विकास और विश्वास की नई तस्वीर सामने आई है। बीजापुर और कांकेर जिलों से आए 140 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने आज विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर मुख्यधारा में लौटने की खुशी साझा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मसमर्पित नक्सलियों से आत्मसमर्पण से पहले के जीवन और वर्तमान परिस्थितियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। संवाद के दौरान नक्सलियों ने बताया कि अब उनका जीवन पूरी तरह बदल चुका है—जहां पहले वे जंगलों में असुरक्षा और भय के बीच जीवन बिताते थे, वहीं अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्रों में अब सड़कों, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे जीवन आसान हुआ है। कुछ आत्मसमर्पित नक्सलियों ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने पहली बार होली जैसे त्योहार को परिवार के साथ मनाया—यह उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय केवल व्यक्तिगत बदलाव नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान पर विश्वास जताकर सभी ने एक सकारात्मक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक पुनर्स्थापन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में नक्सलवाद अब अंतिम चरण में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलवाद उन्मूलन के संकल्प को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक भी उपस्थित थीं।

19, 20, 27 एवं 31 मार्च को बंद रहेगा पशुवध कार्य

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत संचालित समस्त वधशालाओं एवं मांस विक्रय की दुकानों को दिनांक 19, 20, 27 एवं 31 मार्च 2026 को पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा। इन तिथियों में किसी प्रकार का पशुवध न होगा और न ही मांस का विक्रय होगा। निगम द्वारा 19 मार्च को गुड़ी पाडवा, 20 मार्च को चैटीचांद, 27 मार्च को रामनवमी एवं 31 मार्च को महावीर जयंती के विशिष्ट अवसर पर पशुवधगृहों व मांस विक्रय की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखने तथा किसी भी प्रकार का पशुवध न करने और न ही मांस का विक्रय करने के निर्देश समस्त पशुवधगृह संचालकों व संबंधित दुकानदारों को दिए गए हैं। उक्त तिथियों में यदि किसी भी दुकान में मांस का विक्रय किया जाता है तो मांस जप्त कर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में 'न्योता भोज' : पोषण, शिक्षा व जनभागीदारी का राज्यव्यापी अभियान

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

रायपुर। आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित 'न्योता भोज' कार्यक्रम प्रदेश में पोषण, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत अब समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

राज्य स्तर पर जनवरी से फरवरी 2026 तक कुल 9,763 न्योता भोज आयोजनों के माध्यम से 1,83,927 बच्चों को लाभान्वित किया गया है, जो इस योजना की व्यापक सफलता को दर्शाता है।

जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो बिलासपुर जिले में सर्वाधिक 884 आयोजन हुए, जिनमें 18,703 बच्चे लाभान्वित हुए। वहीं कोरबा में 720 आयोजनों के माध्यम से 13,944 बच्चों, रायगढ़ में 690 आयोजनों से 9,835 बच्चों तथा कांकेर में 636 आयोजनों से 7,915 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार धमतरी में 606 आयोजन कर 11,228 बच्चों, महासमुंद में 415 आयोजनों के माध्यम से 7,302 बच्चों तथा जांजगीर-चांपा में 439 आयोजनों से 10,518 बच्चों को लाभ पहुंचाया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के नागरिक, जनप्रतिनिधि, दानदाता एवं पालक अपने विशेष अवसरों—जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ या अन्य पारिवारिक खुशियों—पर आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के साथ भोजन साझा कर रहे हैं। इससे बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिल रहा है, साथ ही समाज में उनके प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता भी बढ़ रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले अधिकांश बच्चे ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से होते हैं। ऐसे में 'न्योता भोज' जैसे प्रयास उनके शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह पहल न केवल कुपोषण को कम करने की दिशा में कारगर साबित हो रही है, बल्कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के प्रति बच्चों और अभिभावकों का आकर्षण भी बढ़ा रही है। शासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने सामाजिक एवं पारिवारिक अवसरों को आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ साझा कर इस अभियान को और मजबूत बनाएं।

(लेखक जनसंपर्क विभाग में उप संचालक हैं)

सफलता की कहानी

संघर्षों को मात देकर सामान्य गृहिणी से सफल उद्यमी बनीं खड़गवां की लीलावती, आत्मनिर्भरता की सशक्त मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम खड़गवां की निवासी लीलावती आज आत्मनिर्भरता और संघर्ष से सफलता की एक प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। कभी एक साधारण गृहिणी के रूप में सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाली लीलावती ने अपने दृढ़ संकल्प, मेहनत और सही मार्गदर्शन के बल पर खुद को एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित किया है।

संघर्षों से भरा था प्रारंभिक जीवन

लीलावती का शुरुआती जीवन आर्थिक चुनौतियों से भरा रहा। उनके पति गजराज सिंह नेटी पेंटिंग का कार्य करते थे। सीमित आय में परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन होता था, जिससे उन्हें कई बार आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता था। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी लीलावती ने हार नहीं मानी।

बिहान योजना से आया बदलाव

लीलावती के जीवन में सकारात्मक मोड़ तब आया, जब गांव में स्व-सहायता समूह का गठन हुआ। उनके मार्गदर्शन में लीलावती 'गुलाबी स्व सहायता समूह' से जुड़ीं, जो कल्पना महिला संकुल संगठन बरदर के अंतर्गत कार्यरत है। उन्हें बैंक लिंकेज के माध्यम से 40 हजार रुपए की पहली आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिसने उनके लिए आत्मनिर्भरता की राह खोल दी।

बकरी पालन से शुरू हुआ सफर

प्राप्त राशि का उपयोग करते हुए लीलावती ने चार बकरियों से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। मेहनत और लगन से उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाया और बाद में अतिरिक्त सहायता मिलने पर बकरियों की संख्या बढ़ाकर आठ कर ली। इस छोटे से प्रयास ने उन्हें नियमित आय का स्रोत प्रदान किया और उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी।

मिक्सर मशीन से बढ़ी आमदनी

अपने उद्यम को और सशक्त बनाने के लिए लीलावती ने बैंक लिंकेज के माध्यम से मिक्सचर मशीन भी खरीदी। इस पहल से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और आज वे प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख से 1.8 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। अब उनका परिवार आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो चुका है और वे आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन कर रही हैं।

मेहनत, मार्गदर्शन और समूह की ताकत ने आसान बनाया रास्ता

लीलावती की सफलता के पीछे समूह की बैठकों में उनकी नियमित भागीदारी, वीओ स्तर पर सक्रियता और बिहान कार्यालय से प्राप्त निरंतर मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी कहानी यह दर्शाती है कि यदि महिलाओं को सही अवसर, सहयोग और प्रेरणा मिले, तो वे न केवल अपने जीवन को बदल सकती हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बन सकती हैं। लीलावती की यह यात्रा केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त तस्वीर है, जो यह संदेश देती है कि हौसले और मेहनत से हर मुश्किल को पार किया जा सकता है। सही मार्गदर्शन और समूह की ताकत के साथ किए गए प्रयास हमेशा फलदायी होते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950